website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 295 | पेज: 8 | जयपुर, गुरुवार 02 अक्टूबर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

भूकंप से फिलीपींस में हुई तबाही पर PM मोदी ने जताया दु:ख

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिलीपींस में आए भीषण भूकंप पर दुःख जताया है। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में भारत फिलीपींस के साथ खड़ा है। PM मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा,

"फिलीपींस में आए भूकंप से जानमाल के नुकसान की खबर से बेहद दुखी हूं। मृतकों के परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं और घायलों के जल्दी स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। भारत इस मुश्किल समय में फिलीपींस के साथ खड़ा है।" मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मंगलवार रात आए 6.9 तीव्रता के भूकंप से फिलीपींस के सेबू प्रांत में भारी तबाही हुई है। अब तक 69 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है और 147 से ज्यादा लोग घायल हैं। कई लोग अब भी मलबे में दबे हो सकते हैं, इसलिए राहत और बचाव कार्य लगातार जारी है। सबसे ज्यादा 30 लोगों की मौत बोगो सिटी में हुई है, जो भूकंप का केंद्र था। इसके अलावा 22 लोगों की मौत सैन रेमिजियो, 10 की मेडेलिन, 5 की टाबोगोन और एक-एक की मौत सोगोद व टाबुएलान में हुई है। ज़्यादातर मौतें घरों और इमारतों की दीवारें गिरने से हुईं। फिलीपींस इंस्टीट्यूट ऑफ वॉल्केनोलॉजी एंड सिस्मोलॉजी ने बताया कि भूकंप 5 किलोमीटर की गहराई में आया था। झटके मध्य और दक्षिणी फिलीपींस के कई हिस्सों में महसूस किए गए। संस्था के अनुसार, मंगलवार रात से अब तक 600 से ज्यादा आफ्टरशॉक्स दर्ज किए गए हैं।

अमेरिका में शटडाउन से सरकारी कामकाज ठप

-फंडिंग बिल पास नहीं करा पाए ट्रंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में शटडाउन लागू हो गया। इसकी वजह से अमेरिका में सरकारी कामकाज ठप हो गया। सालों बाद अमेरिका में फिर से यह सरकारी शटडाउन हुआ है। दरअसल, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी अमेरिकी संसद के ऊपरी सदन सीनेट में अस्थायी फंडिंग बिल पास नहीं करा पाई।

अमेरिकी राष्ट्रपति को सीनेट से इस बिल को पास कराने के लिए 100 सदस्यों वाले सीनेट में 60 वोटों की दरकार थी

अमेरिकी राष्ट्रपति को सीनेट से इस बिल को पास कराने के लिए 100 सदस्यों वाले सीनेट में 60 वोटों की दरकार थी। रिपब्लिकन पार्टी के पास भले ही सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स, दोनों का नियंत्रण है, पर फंड बिल पास करने के लिए उनके पास सात वोट कम हैं।

डेमोक्रेटिक नेताओं ने सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की, लेकिन किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पाए

अगर इस बिल को पास कराना था, तो उसके लिए अमेरिकी राष्ट्रपति को डेमोक्रेट सांसदों के वोट की भी जरूरत थी। हालांकि, डेमोक्रेट्स पार्टी ने उनके समर्थन में वोट नहीं दिया। डेमोक्रेटिक नेताओं ने सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की, लेकिन किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पाए। मुलाकात के कुछ घंटों बाद, ट्रंप ने ट्रुथ सोशल

पर एक एआई-जनरेटेड वीडियो शेयर किया, जिसमें सदन के अल्पसंख्यक नेता हकीम जेफ्रीज और सीनेट के अल्पसंख्यक नेता चक शूमर का मजाक उड़ाया गया।

ट्रंप ने शटडाउन के दौरान संघीय कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की भी धमकी दी

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने मंगलवार को डेमोक्रेट्स पर आरोप लगाना जारी रखा और कहा कि उन्होंने "उन्हें जरा भी झुकते नहीं देखा।" शटडाउन के दौरान उन्होंने संघीय कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की भी धमकी दी। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, "जब आप इसे बंद करते हैं, तो आपको छंटनी करनी पड़ती है, हम बहुत से लोगों को नौकरी से निकाल देंगे।"

रिपब्लिकन पार्टी ने डेमोक्रेट्स की मांगों से असहमति जताते हुए 21 नवंबर तक फंडिंग बढ़ाने का प्रस्ताव रखा था

बता दें, डेमोक्रेट इस साल की शुरुआत में पारित हुए "बिग ब्यूटीफुल बिल" में स्वास्थ्य सेवा में कटौती को वापस लेने की मांग कर रहे हैं। बता दें, रिपब्लिकन पार्टी ने डेमोक्रेट्स की मांगों से असहमति जताते हुए 21 नवंबर तक फंडिंग बढ़ाने का प्रस्ताव रखा था। हालांकि, रिपब्लिकन सीनेट और प्रतिनिधिसभा दोनों पर कंट्रोल रखते हैं, लेकिन फिर भी सीनेट में उनके पास सात वोट कम हैं।

इससे पहले अमेरिका में शटडाउन ट्रंप के पहले कार्यकाल में हुआ था और 35 दिनों तक चला था, जो इतिहास में सबसे लंबा था

इससे पहले अमेरिका में शटडाउन ट्रंप के पहले कार्यकाल में हुआ था और 35 दिनों तक चला था – जो इतिहास में सबसे लंबा था। सीमा सुरक्षा, कानून प्रवर्तन और हवाई यातायात नियंत्रण जैसी आवश्यक सेवाएं जारी रहेंगी, जबकि खाद्य सहायता कार्यक्रम, सरकारी वित्त पोषित प्री-स्कूल, खाद्य निरीक्षक और राष्ट्रीय उद्यानों में संचालन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

यदि शटडाउन लंबे समय तक जारी रहता है, तो हवाई यात्रा को चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है

यदि शटडाउन लंबे समय तक जारी रहता है, तो हवाई यात्रा को चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि उनमें से कई कर्मचारियों को बिना वेतन के काम करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा और वे ड्यूटी पर रिपोर्ट नहीं कर पाएंगे।

हरियाणा सरकार का बाढ़ प्रभावित किसानों को बड़ा राहत पैकेज, ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल से 4.72 करोड़ मुआवजा वितरित

हरियाणा (एजेंसी)। हरियाणा के मुख्यमंत्री ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बारिश और बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए बड़ी राहत योजनाओं की घोषणा की।

उन्होंने बताया कि पिछले दिनों भारी बारिश के कारण कई जगहों पर जान-माल का नुकसान हुआ है। सरकार ने त्वरित राहत पहुंचाने के लिए 'ई-क्षति' पोर्टल के माध्यम से अब तक घरों और पशुओं की हानि का मुआवजा जारी किया है। इसके तहत 4 करोड़ 72 लाख रुपए की राशि सीधे पीड़ितों तक पहुंचाई गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 सितंबर तक ई-क्षति पूर्ति पोर्टल खुला रहा, जिस पर करीब 5 लाख 37 हजार किसानों ने 31 लाख एकड़ जमीन का पंजीकरण करवाया। जिन इलाकों में पानी भर गया है, वहां किसानों को प्रति एकड़ 15 हजार रुपए का मुआवजा दिया जाएगा। यह राशि दीपावली से पहले खातों में ट्रांसफर कर दी जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि बाढ़ से प्रभावित किसानों को बिजली बिलों में भी बड़ी राहत दी गई है। अब ट्यूबवेलों के बिजली बिलों का भुगतान दिसंबर 2025 तक नहीं लिया जाएगा। इस फैसले से करीब 7 लाख 10 हजार किसानों को राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि बाढ़ पीड़ित किसानों के लिए फसलों के ऋण स्थगित कर दिए गए हैं। जिन इलाकों में 50 प्रतिशत से अधिक फसल का नुकसान हुआ है, वहां किसानों से ऋण की वसूली नहीं की जाएगी। इसके साथ ही आगामी रबी फसलों के लिए भी नए ऋण उपलब्ध करवाए जाएंगे। इस कदम से 3 लाख किसानों को ऋण के बोझ से राहत मिलेगी। फसल खरीद पर बोलते हुए सीएम ने कहा कि प्रदेश में 22 सितंबर से खरीद प्रक्रिया शुरू हुई है और 30 सितंबर तक 5 लाख मीट्रिक टन की आवक हो चुकी है। इसमें से 3 लाख 58 हजार मीट्रिक टन की खरीद की जा चुकी है। किसानों को उनकी फसल की कीमत का भुगतान भी तेजी से किया जा रहा है। अब तक 109 करोड़ रुपए सीधे किसानों के खातों में पहुंचाए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसानों के हितों की रक्षा के लिए कटिबद्ध है। बाजरे की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2,757 रुपये प्रति क्विंटल तय की गई है। यदि बाजार में बाजरा 2,300 रुपये प्रति क्विंटल में बिक रहा है, तो उसकी भरपाई राज्य सरकार किसानों को दे रही है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के साथ खड़ी है और किसी भी हालत में उन्हें नुकसान नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आने वाले समय में भी किसानों की हर समस्या का समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा।

केंद्रीय कर्मचारियों को दिवाली पर मिला बड़ा तोहफ़ा, डीए में 3% की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने फेस्टिव सीजन की शुरुआत में केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को बड़ा तोहफ़ा दिया है। कैबिनेट की बैठक में महंगाई भत्ते (DA) में 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी को मंजूरी दी गई है। इसके बाद डीए बढ़कर बेसिक सैलरी का 58 प्रतिशत हो गया है। यह बढ़ोतरी 1 जुलाई 2025 से लागू होगी। सरकार के इस फैसले से लगभग 48 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 68 लाख पेंशनरों को सीधा फायदा होगा। जुलाई से सितंबर तक का एरियर अक्टूबर की सैलरी के साथ दिया जाएगा। डीए बढ़ोतरी का असर कर्मचारियों की जेब पर सीधा पड़ेगा। उदाहरण के तौर पर, 50,000 रुपए बेसिक सैलरी वाले कर्मचारी को पहले 27,500 रुपए डीए मिलता था, जो अब बढ़कर 29,000 रुपए हो जाएगा। यानी उन्हें हर महीने 1,500 रुपए अतिरिक्त मिलेंगे। इससे पहले 1 जनवरी 2025 को भी सरकार ने डीए और डीआर (महंगाई राहत) में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी की थी। तब डीए 55 प्रतिशत था, जिसे अब 58 प्रतिशत कर दिया गया है। सरकार का यह कदम 7वें वेतन आयोग की सिफारिशों के तहत लिया गया है। दिवाली से पहले यह बढ़ोतरी कर्मचारियों और पेंशनरों के लिए राहत और उत्साह दोनों लेकर आई है।

संघ पर डाक टिकट और स्मृति सिक्का जारी होना ऐतिहासिक क्षण: रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि बुधवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शताब्दी समारोह में संघ के 100 वर्षों की राष्ट्रसेवा को सम्मानित करने के लिए विशेष डाक टिकट और स्मृति सिक्का जारी किया जाना सभी राष्ट्रभक्तों के लिए ऐतिहासिक क्षण है। मुख्यमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा कि डॉ. हेडगेवार द्वारा रखी गई नींव से लेकर

वर्तमान सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत तक, सभी ने राष्ट्र निर्माण की दिशा में बहुमूल्य योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि अनुशासन, समर्पण और मातृभूमि के प्रति निःस्वार्थ भाव से सेवा ही संघ का ध्येय रहा है। संघ के स्वयंसेवक केवल संगठनात्मक कार्य तक सीमित नहीं रहते, बल्कि भारत की संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक सद्भाव को जन-जन तक पहुंचाने में अग्रणी भूमिका निभाते हैं।

आपातकाल जैसे दौर में भी संघ ने लोकतंत्र के सजग प्रहरी के रूप में कार्य किया

मुख्यमंत्री ने कहा कि आपातकाल जैसे दौर में भी संघ ने लोकतंत्र के सजग प्रहरी के रूप में कार्य किया। कठिन से कठिन प्राकृतिक आपदाओं और संकट की घड़ी में भी संघ के स्वयंसेवक बिना किसी स्वार्थ के आगे बढ़कर समाज की सेवा करते हैं। आज जब हम विकसित भारत की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, तो इसमें संघ और उसके लाखों समर्पित स्वयंसेवकों का अनुकरणीय योगदान है।

भारत सरकार द्वारा विशेष डाक टिकट और स्मृति सिक्के जारी करने पर पीएम मोदी का किया अभिनंदन

मुख्यमंत्री ने संघ की 100 वर्ष की इस गौरवमयी यात्रा की स्मृति में भारत सरकार द्वारा विशेष डाक टिकट और स्मृति सिक्के जारी करने पर प्रधानमंत्री मोदी का अभिनंदन और राष्ट्रसेवा को समर्पित संघ के स्वयंसेवकों को अनंत शुभकामनाएं दीं।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री ने आज दिल्ली के डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्र निर्माण में योगदान पर विशेष डाक टिकट और 100 रुपये का स्मारक सिक्का जारी किया। कार्यक्रम में संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मौजूद रहे।

सेना प्रमुख पहुंचे भुज वायुसेना स्टेशन, ऑपरेशनल तैयारियों की ली जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र

द्विवेदी ने बुधवार को भुज वायुसेना स्टेशन का दौरा किया। इस दौरान उन्हें क्षेत्र में भारतीय थलसेना और भारतीय वायुसेना के बीच ऑपरेशनल तैयारी तथा आपसी सहयोग और तालमेल की जानकारी दी गई। दरअसल, थलसेना और वायुसेना के बीच बेहतर संयुक्तता और समन्वय सीमावर्ती इलाकों की सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। सेनाध्यक्ष ने यहां तैनात सैन्य कर्मियों को उनके कार्य के लिए धन्यवाद देते हुए राष्ट्र सेवा के प्रति उनके अटूट संकल्प और जज्बे की सराहना की। इस दौरे के दौरान जनरल द्विवेदी ने वायुसेना के अधिकारियों से भेंट की और उनके पेशेवराना अंदाज, समर्पण तथा साझा संचालन भावना की सराहना की। उन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा और राष्ट्र निर्माण में निस्वार्थ सेवा के लिए वायुसेना कर्मियों के योगदान को अनुकरणीय बताया। गौरतलब है कि विभिन्न सैन्य ऑपरेशन के दौरान भुज एयरबेस की भूमिका काफी महत्वपूर्ण रही है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुजरात स्थित भारतीय वायुसेना के भुज एयरबेस का दौरा किया था। यहां उन्होंने भारतीय वायुसेना कर्मियों संग बातचीत की थी। वायुसेना के इन योद्धाओं ने पाकिस्तानी सेना के सभी हमलों को नाकाम कर दिया था। भुज यात्रा के दौरान वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह भी उनके साथ थे। भुज एयरबेस पर पाकिस्तानी सेना ने बड़ी संख्या में ड्रोन से हमला किया था, जिसे भारतीय सेना ने पूरी तरह से नाकाम कर दिया था। कुछ दिन पहले ही भारतीय थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने अरुणाचल प्रदेश पहुंचकर वहां सैन्य तैयारियों का जायजा लिया था। थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी अरुणाचल प्रदेश के एक सैन्य स्टेशन के दौरे पर आए थे। अरुणाचल प्रदेश भी एक सीमावर्ती राज्य है। यहां वास्तविक नियंत्रण रेखा के उस पार चीनी सैनिकों की तैनाती है। ऐसे में यह दौरा सैन्य तैयारियों के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण है। थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने अरुणाचल प्रदेश स्थित लिकाबाली सैन्य स्टेशन का दौरा किया। उन्होंने यहां सेना की युद्धक तैयारियों का जायजा लिया था। अरुणाचल प्रदेश स्थित लिकाबाली भारतीय सेना का एक महत्वपूर्ण सैन्य अड्डा है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने HQ IDS के 25वें स्थापना दिवस पर दीं शुभकामनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हेडक्वार्टर इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ (HQ IDS) के 25वें स्थापना दिवस के अवसर पर सभी रैंकों और रक्षा नागरिक कर्मियों

को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने बधाई संदेश में कहा कि पिछले 25 साल से एचक्यू आईडीएस भारत की रक्षा योजना और परिचालन तालमेल में संयुक्तता की खोज का प्रतीक रहा है, जो सशस्त्र बलों और उच्च रक्षा प्रबंधन के बीच एक सेतु के रूप में काम करता है। एचक्यू आईडीएस की उपलब्धियों की सराहना करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "इसने त्रि-सेवा संरचनाओं को सुव्यवस्थित करने, संयुक्त सिद्धांतों को बढ़ावा देने और भागीदार देशों के साथ सहयोग को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इससे उभरती सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए भारत की तैयारियों को और बल मिला है।" उन्होंने पोस्ट में लिखा, "एचक्यू आईडीएस नवाचार, स्वदेशीकरण और भविष्य की क्षमता विकास को प्रोत्साहन देने में एक प्रेरक शक्ति रहा है, जो आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है।"

इस ऐतिहासिक अवसर पर राजनाथ सिंह ने टीम आईडीएस के व्यावसायिकता और समर्पण को सलाम किया। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि यह टीम भारत की रक्षा को और अधिक एकीकरण, आधुनिकीकरण और परिचालन उत्कृष्टता की ओर ले जाती रहेगी। हेडक्वार्टर इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ (Headquarters Integrated Defence Staff) की स्थापना 1 अक्टूबर 2001 को हुई। हेडक्वार्टर आईडीएस सशस्त्र बलों में संयुक्तता और एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए एक स्थायी संस्थान के रूप में संकल्पित साइबर और अंतरिक्ष जैसे नए क्षेत्रों के लिए त्रि-सेवा तालमेल के आधार के रूप में उभरा है, जो भारत की एकीकृत सैन्य तैयारियों को आकार देने में एक प्रमुख प्रवर्तक है। मुख्यालय आईडीएस ने सालों से इस प्रक्षेप पथ को जारी रखा है और नए संयुक्त सैन्य ढांचों के निर्माण में सहयोग दिया है व एकीकृत त्रि-स्तरीय सेवा तंत्र स्थापित करने के उद्देश्य से पहलों में योगदान दिया। हेडक्वार्टर आईडीएस ने क्षमता विकास में तीनों सेनाओं के रोडमैप को सुगम बनाया है और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के दृष्टिकोण के अनुरूप, स्वदेशी समाधानों को गति देने के लिए राष्ट्रीय अनुसंधान संगठनों व उद्योग भागीदारों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है।

नारी शक्ति के सम्मान और सुरक्षा के लिए यूपी सरकार प्रतिबद्ध: सीएम योगी आदित्यनाथ

यूपी (एजेंसी)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आबादी के दृष्टिकोण से देश का सबसे बड़ा राज्य होने के बावजूद उत्तर प्रदेश के महिलाओं के प्रति अपराध न्यूनतम है, जबकि महिलाओं के प्रति होने वाले अपराध के मामले में यह प्रदेश देश में नंबर वन है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बतौर गोरक्षपीठाधीश्वर बुधवार को गोरखनाथ मंदिर में शारदीय नवरात्र की महानवमी तिथि में कन्या पूजन के बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत की। उन्होंने समस्त प्रदेशवासियों को शारदीय नवरात्र की पावन महानवमी एवं गुरुवार को मनाए जाने वाले विजयदशमी पर्व की हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि जीवन के किसी भी पक्ष में नारी शक्ति के बगैर सृष्टि की कल्पना ही नहीं की जा सकती। नारी शक्ति के प्रति सम्मान, सुरक्षा और स्वावलंबन के लिए इसी भाव के साथ अनेक कार्यक्रम चला रही है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्मावलंबी वर्ष में दो बार शारदीय और वासंतिक नवरात्र में जगतजननी मां भगवती दुर्गा के नौ स्वरूपों के पूजन व अनुष्ठान के कार्यक्रम से श्रद्धा और उल्लास से जुड़ते हैं। सनातन परंपरा में मातृ शक्ति व नारी शक्ति के प्रति आस्था का यह पर्व नई प्रेरणा प्रदान करता है। नवरात्र का यह पर्व अवगत कराता है कि चराचर जगत की आदि शक्ति, नारी शक्ति का ही रूप हैं। आज शारदीय नवरात्र की नवमी

तिथि पर मां सिद्धिदात्री के स्वरूप के पूजन के साथ कन्या पूजन का अनुष्ठान हो रहा है। वह सौभाग्यशाली है कि गोरक्षपीठ की पवित्र परंपरा के अनुसार उन्हें भी कन्या पूजन का अनुष्ठान करने का अवसर प्राप्त हुआ है। CM योगी ने कहा सनातन आस्था में नारी शक्ति को अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। सनातन आस्था की नैतिक जिम्मेदारी के भाव से सरकार नारी शक्ति की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए समर्पित है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए शारदीय नवरात्र की पहली तिथि, 22 सितंबर से मिशन शक्ति के पांचवें चरण का शुभारंभ किया गया है। इसमें महिलाओं की सुरक्षा के साथ ही उनके स्वावलंबन जागरूकता के लिए पंचायत स्तर तक कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसके तहत प्रदेश के सभी जिलों में सराहनीय कार्य हो रहे हैं। मिशन शक्ति सफलता की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करने की ओर अग्रसर है। उन्होंने आगे कहा कि भारत ने सदैव नारी शक्ति के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव रखा है। हर कालखंड में इसके दर्शन होते हैं। आज भी प्रत्येक क्षेत्र में भारत की नारी शक्ति ने अपनी ताकत और सामर्थ्य का एहसास कराकर दुनिया को अचंभित किया है। जहां बेटी सुरक्षित और सम्मानित है तो वहां का समाज भी सुरक्षित और सम्मानित माना जाता है। उत्तर प्रदेश में ऐसा ही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ', 'मातृ वंदना', 'कन्या सुमंगला' और सामूहिक विवाह जैसी योजनाएं बेटियों की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए हैं। इसी क्रम में देश की सर्वोच्च पंचायतों में नारी शक्ति का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम भी लाया गया है। CM योगी ने कहा कि प्रदेश में 1 करोड़ महिलाओं को किसी न किसी रूप में 12,000 रुपए सालाना पेंशन दी जा रही है। 26 लाख बेटियों को जन्म से लेकर स्नातक तक की पढ़ाई के लिए 25,000 रुपए के पैकेज वाले कन्या सुमंगला योजना से जोड़ा गया है। सामूहिक विवाह योजना में धनराशि बढ़ाकर प्रति जोड़ा एक लाख रुपए करके गरीब परिवारों को बेटियों के विवाह में धन की चिंता से मुक्त कर दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी प्रदेशवासियों को गुरुवार को मनाए जाने वाले विजयदशमी पर्व की भी बधाई दी।

दिल्ली में दशहरा पर होगी बारिश, छाए रहेंगे बादल : आईएमडी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में 1 और 2 अक्टूबर 2025 को हल्की से हल्की बारिश और बूंदाबांदी हो सकती है और उसके बाद आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। उत्तर-पश्चिम भारत के लिए मौसम विभाग ने 1 से 3 अक्टूबर तक राजस्थान में, और 4 और 5 अक्टूबर को जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर तूफान के साथ बिजली की संभावना व्यक्त की है। वहीं, कल मंगलवार को दिल्ली में कई जगहों पर मध्यम बारिश गरज के साथ छींटे पड़े, जबकि कुछ जगहों पर भारी बारिश हुई जिस वजह से पिछले 24 घंटों के दौरान न्यूनतम तापमान में 03-06°C की उल्लेखनीय गिरावट और अधिकतम तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) की 29 सितंबर 2025 को जारी एक प्रेस रिलीज के अनुसार, 2 से 4 अक्टूबर तक पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, 1 से 4 अक्टूबर तक बिहार में 2 से 4 अक्टूबर तक झारखंड में, 5 अक्टूबर को पश्चिम मध्य प्रदेश में, 4 और 5 अक्टूबर को पूर्व मध्य प्रदेश, विदर्भ में, 1 से 3 अक्टूबर

तक छत्तीसगढ़ तथा ओडिशा में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/तूफान के साथ अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। इसके अलावा, 2 अक्टूबर को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में, 3 और 4 अक्टूबर को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, 4 और 5 अक्टूबर को बिहार में बहुत भारी बारिश की संभावना है। वहीं, उत्तर-पूर्व भारत में 2 अक्टूबर तक नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में, 1 से 5 अक्टूबर तक अरुणाचल प्रदेश में कई कुछ स्थानों पर हल्की व मध्यम बारिश तूफान के साथ अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। इसके अतिरिक्त 2 और 3 अक्टूबर को असम और मेघालय में बहुत भारी बारिश की संभावना है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

जनता का लॉकडाउन: पाकिस्तान की नाकाम नीतियों के खिलाफ करारा तमाचा

पाकिस्तान इन दिनों जिस राजनीतिक और आर्थिक संकट से गुजर रहा है, उसका सबसे बड़ा असर उसके कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) पर देखा जा रहा है। हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि वहां की जनता अब खुलकर पाकिस्तान सरकार के खिलाफ खड़ी हो गई है। जनता ने "लॉकडाउन" का ऐलान कर यह स्पष्ट संदेश दिया है कि वे अब और बर्दाश्त करने को तैयार नहीं हैं। यह लॉकडाउन केवल एक विरोध प्रदर्शन नहीं, बल्कि पाकिस्तान की नाकाम नीतियों और शासन व्यवस्था के खिलाफ करारा तमाचा है। शहबाज शरीफ सरकार लगातार जनता की वास्तविक समस्याओं से मुंह मोड़ती रही है। पीओजेके के लोग लंबे समय से अपनी बुनियादी मांगों—पानी, बिजली, सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं—को लेकर आवाज़ उठा रहे हैं। लेकिन इन जायज़ मांगों की सुनवाई करने के बजाय पाकिस्तानी हुकूमत ने हमेशा दमनकारी रवैया अपनाया। शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों को भी दबाने की कोशिश की जाती रही है। यही वजह है कि वहां का आम नागरिक अब पाकिस्तान की चालाकियों और झूठे दावों को समझ चुका है। दुनिया के सामने भी अब यह राज़ छुपा नहीं रहा कि पाकिस्तान ने पीओजेके का इस्तेमाल केवल भारत के खिलाफ आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए किया है। वहां आतंकियों के ट्रेनिंग कैंप चलाए गए, हथियारों का भंडारण किया गया और इसे "लॉचिंग पैड" बना दिया गया। लेकिन आम जनता, जिनके सहारे पाकिस्तान अपनी सियासी चालें चलता है, उनके जीवन और उनकी परेशानियों से सरकार का कोई लेना-देना नहीं है। यही वजह है कि आज लोग खुद सड़कों पर उतरकर अपने हक की लड़ाई लड़ने को मजबूर हैं। आर्थिक मोर्चे पर पाकिस्तान की हालत किसी से छुपी नहीं है। बढ़ते कर्ज़, डॉलर की कमी और महंगाई ने जनता की कमर तोड़ दी है। सरकार की असमर्थता का आलम यह है कि उसे अमेरिका और कुछ अरब देशों के रहमोकरम पर ही जीना पड़ रहा है। इस कंगाली का सबसे ज्यादा असर पीओजेके के लोगों पर दिखाई देता है। वहां आटे जैसी बुनियादी चीज़ों तक के लिए हाहाकार मचा रहता है। रसोई गैस, बिजली और ईंधन का संकट आम है। अस्पतालों में दवाएं नहीं, स्कूलों में पढ़ाई नहीं और गांव-गांव टूटी हुई सड़कों के कारण लोगों को घंटों पैदल चलना पड़ता है। जनता का गुस्सा इसलिए भी भड़का हुआ है क्योंकि उन्हें यह एहसास हो चुका है कि पाकिस्तान उनकी जिंदगी सुधारने में दिलचस्पी नहीं रखता। उसे सिर्फ अपनी सेना को मजबूत करने और आतंकियों को पालने-पोसने की फिक्र है। पीओजेके के नागरिक बार-बार चीख-चीख कर कह रहे हैं कि उन्हें इंसाफ चाहिए, लेकिन पाकिस्तानी हुकूमत उन्हें सिर्फ लाठी और गोलियां देती है। आज जब वहां जनता ने लॉकडाउन का ऐलान किया है तो यह एक ऐतिहासिक कदम माना जा सकता है।

अहिंसात्मक आंदोलन के सबसे बड़े जनक थे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी

-राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर विशेष आलेख....

महात्मा गांधी आधुनिक भारत के इतिहास के महानतम व्यक्तित्वों में से एक हैं। वे केवल स्वतंत्रता संग्राम के नेता ही नहीं थे, बल्कि सत्य, अहिंसा और नैतिक मूल्यों पर आधारित जीवन जीने वाले दर्शनशास्त्री और कर्मयोगी भी थे। उनका जीवन और विचारधारा केवल भारत में ही सीमित नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया को आज भी प्रेरणा प्रदान करती है। महात्मा गांधी का जन्म 2 अक्टूबर 1869 को गुजरात के पोरबंदर नामक स्थान पर हुआ। उनका पूरा नाम मोहनदास करमचंद गांधी था। उनके पिता करमचंद गांधी पोरबंदर रियासत के दीवान थे और माता पुतलीबाई धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थीं। परिवार का वातावरण धार्मिक और सादगीपूर्ण था, जिसने गांधीजी के चरित्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बाल्यावस्था में गांधीजी साधारण छात्र थे, परंतु उनमें सत्य बोलने, अनुशासन का पालन करने और बड़े-बुजुर्गों का सम्मान करने की आदत बचपन से ही थी। उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा पोरबंदर और राजकोट में प्राप्त की। आगे की पढ़ाई के लिए वे इंग्लैंड गए और लॉ (कानून) की पढ़ाई पूरी करने के बाद वकालत के लिए भारत लौटे।

दक्षिण अफ्रीका प्रवास और संघर्ष-

गांधीजी के जीवन का निर्णायक मोड़ तब आया जब वे वकालत के काम से दक्षिण अफ्रीका गए। वहां भारतीयों को नस्लीय भेदभाव और अपमान का सामना करना पड़ता था। स्वयं गांधीजी को ट्रेन में प्रथम श्रेणी का टिकिट होते हुए भी अश्वेत होने के कारण बाहर फेंक दिया गया था। इस घटना ने उनके जीवन की दिशा बदल दी। उन्होंने अन्याय के खिलाफ शांतिपूर्ण और अहिंसात्मक आंदोलन चलाने का संकल्प लिया। यहीं से "सत्याग्रह" की अवधारणा जन्मी। गांधीजी ने दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों

के अधिकारों के लिए लंबा संघर्ष किया और अंततः सफलता प्राप्त की। उनके इस आंदोलन ने विश्व का ध्यान उनकी विचारधारा की ओर आकर्षित किया। भारत में स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व: 1915 में गांधीजी भारत लौटे और देश की स्वतंत्रता के लिए जन आंदोलनों से जुड़े। उन्होंने भारतीय राजनीति को नया नैतिक दृष्टिकोण दिया। उनके नेतृत्व में अहिंसात्मक आंदोलनों ने स्वतंत्रता संग्राम को जन-जन तक पहुँचाया।

चंपारण और खेड़ा सत्याग्रह-

भारत में गांधीजी का पहला बड़ा आंदोलन बिहार के चंपारण में 1917 में हुआ। यहां नील की खेती करने वाले किसानों पर अंग्रेज अत्याचार कर रहे थे। गांधीजी ने किसानों की मदद की और सत्याग्रह शुरू किया। यह आंदोलन सफल रहा और किसानों को बड़ी राहत मिली। इसी प्रकार 1918 में उन्होंने गुजरात के खेड़ा जिले में किसानों के पक्ष में संघर्ष किया, जिससे प्रसिद्ध "खेड़ा सत्याग्रह" हुआ। असहयोग आंदोलन (1920)1919 में हुए जलियांवाला बाग हत्याकांड ने गांधीजी को गहराई से झकझोर दिया। उन्होंने अंग्रेजी शासन के खिलाफ असहयोग आंदोलन का आह्वान किया। अंग्रेजी शिक्षण संस्थाओं, अदालतों और विदेशी वस्त्रों का बहिष्कार किया गया। इस आंदोलन ने अंग्रेजी हुकूमत की जड़ें हिला दीं। नमक सत्याग्रह और दांडी यात्रा (1930)1930 में गांधीजी ने अंग्रेज सरकार के नमक कानून का विरोध किया। वह साबरमती आश्रम से दांडी तक 385 किलोमीटर की पदयात्रा पर निकले और समुद्र तट पर नमक बनाकर प्रतीकात्मक रूप से कानून तोड़ा। यह घटना भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का ऐतिहासिक चरण साबित हुई।भारत छोड़ो आंदोलन (1942)द्वितीय विश्वयुद्ध के समय ब्रिटिश हुकूमत को गांधीजी ने "भारत छोड़ो" का नारा दिया। इस आंदोलन ने स्वतंत्रता संघर्ष को निर्णायक रूप से ब्रिटिश शासन के अंत की ओर धकेल दिया।

गांधीजी की विचारधारा-

महात्मा गांधी का दर्शन केवल राजनीतिक आंदोलन तक सीमित नहीं था, बल्कि जीवन जीने का संपूर्ण तरीका था।गांधीजी का मानना था कि सत्य और अहिंसा ही सर्वोच्च नैतिक मूल्य हैं। वे कहते थे कि किसी भी उद्देश्य की प्राप्ति के लिए हिंसा का मार्ग उचित नहीं है। उनके लिए साधन और साध्य दोनों पवित्र होने चाहिए। गांधीजी ने विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार और स्वदेशी वस्त्रों, विशेषकर चरखा और खादी को अपनाने पर जोर दिया। उनका मानना था कि भारतीयों को आत्मनिर्भर बनना चाहिए।सर्वधर्म समभाव गांधीजी धार्मिक सहिष्णुता में विश्वास रखते थे। वे गीता, कुरान, बाइबिल और बौद्ध ग्रंथों का अध्ययन करते थे और सब धर्मों को समान मानते थे। ग्राम स्वराज उनका सपना था कि भारत का वास्तविक विकास गांवों के उत्थान से होगा। उन्होंने ग्राम स्वराज की अवधारणा प्रस्तुत की, जिसमें हर गांव आत्मनिर्भर हो।

गांधीजी का वैश्विक प्रभाव-

गांधीजी के विचारों ने केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को प्रभावित किया। अमेरिका के मार्टिन लूथर किंग जूनियर, दक्षिण अफ्रीका के नेल्सन मंडेला और अनेक अन्य नेताओं ने अपने आंदोलन गांधीजी की अहिंसा की अवधारणा से प्रेरित होकर चलाए।

स्वतंत्रता और विभाजन-

1947 में भारत स्वतंत्र हुआ। किंतु इसी समय देश का बंटवारा हुआ, जिससे गांधीजी अत्यंत दुखी हुए। उन्होंने हिंदू-मुस्लिम एकता बनाए रखने के लिए अथक प्रयत्न किए। 30 जनवरी 1948 को नाथूराम गोडसे ने गांधीजी की हत्या कर दी। उनकी मृत्यु से पूरा राष्ट्र स्तब्ध रह गया। गांधीजी का चले जाना भारत के लिए अपार क्षति थी। परंतु उनकी विचारधारा आज भी जीवित है। आज के समय में जब पूरी दुनिया हिंसा, आतंकवाद, भेदभाव और असहिष्णुता जैसी समस्याओं से जूझ रही है, तब गांधीजी की विचारधारा और भी अधिक प्रासंगिक हो जाती है। उनका संदेश है कि शांति, भाईचारा और सहिष्णुता ही मानव समाज की असली शक्ति है। महात्मा गांधी केवल भारत के ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के "महान आत्मा" थे। उनका जीवन त्याग, सादगी और नैतिकता की मिसाल है। उन्होंने हमें सिखाया कि बिना हिंसा के भी किसी भी शक्ति को पराजित किया जा सकता है। गांधीजी के आदर्श और मूल्य आज भी मानवता के पथ-प्रदर्शक हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी केवल एक राजनीतिक नेता नहीं थे, बल्कि वे ऐसे आध्यात्मिक पुरुष थे जिन्होंने अपने जीवन से यह सिद्ध कर दिया कि अहिंसा केवल एक विचार नहीं, बल्कि एक जीवन जीने की कला है। उन्होंने कहा था – "मेरी जीवन ही मेरा संदेश है।" वास्तव में गांधीजी का पूरा जीवन उनके इसी संदेश का मूर्त रूप था। गांधीजी ने स्वतंत्रता आंदोलन को जन-जन का आंदोलन बना दिया। जहां पहले तक स्वतंत्रता संग्राम सीमित दायरे में था, वहीं गांधीजी ने उसे हर गरीब, किसान, मजदूर और महिला तक पहुँचाया। वे मानते थे कि आज़ादी केवल राजनैतिक सत्ता बदलने का नाम नहीं है, बल्कि यह हर भारतीय के जीवन में आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता लाने का प्रयास है। गांधीजी के सत्याग्रह ने जनता को साहस दिया। उन्होंने यह विश्वास जगाया कि बिना हथियार उठाए भी अन्याय के विरुद्ध लड़ाई लड़ी जा सकती है। चंपारण, खेड़ा, असहयोग आंदोलन, दांडी यात्रा और भारत छोड़ो आंदोलन—इन सभी ने जनता में आत्मविश्वास पैदा किया और अंग्रेजों की नींव हिला दी। गांधीजी ने शिक्षा, स्वावलंबन और चरित्र निर्माण को भी उतना ही महत्व दिया जितना राजनीतिक स्वतंत्रता को। वे चाहते थे कि भारतीय शिक्षा का आधार केवल डिग्री पाना न हो, बल्कि ऐसी हो जो जीवन को सार्थक और आत्मनिर्भर बना सके। उन्होंने 'बुनियादी शिक्षा' की परिकल्पना दी, जिसमें बच्चों को पढ़ाई के साथ व्यावहारिक काम सिखाया जाता। गांधीजी का एक और बड़ा योगदान था सामाजिक समरसता की भावना।

जेलों से वीडियो वायरल होना चिंता की बात:

अपराधियों के लिए सुरक्षित अड्डा बनती जेलें

भारत में जेलों को "सुधार गृह" कहा जाता है। इसका मक़सद यह होता है कि अपराध करने वाले व्यक्ति को समाज से अलग कर उसके व्यवहार में सुधार किया जाए, ताकि जब वह अपनी सज़ा पूरी कर समाज में लौटे तो एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में जीवन जी सके। लेकिन हकीकत इससे काफी अलग दिखाई देती है। राजस्थान सहित देश की कई जेलों से लगातार आपत्तिजनक वीडियो और ऑडियो वायरल होना इस बात का सबूत है कि जेलें अपराधियों के लिए सुधार का स्थान कम और अपराधों की योजना बनाने का अड्डा अधिक बनती जा रही हैं। पिछले कुछ वर्षों में जयपुर, टोंक, बीकानेर, अजमेर, भरतपुर और जोधपुर जैसी जेलों से आए दिन मोबाइल फोन, हथियार और नशीले पदार्थ बरामद होना आम बात हो गई है। हाल ही में वायरल हुए वीडियो और ऑडियो ने इस भरोसे को गहरी चोट पहुंचाई है कि जेल समाज की सुरक्षा की अंतिम दीवार है। अगर सलाखों के पीछे कैद अपराधी इतने बेखौफ हो सकते हैं कि हथियार लहराते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट डाल दें, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आम नागरिक कितना सुरक्षित है।

जेलों से वीडियो वायरल होने की घटनाएँ

राजस्थान ही नहीं, देशभर की जेलों में ऐसी घटनाएँ बढ़ रही हैं। जयपुर सेंट्रल जेल से कुछ समय पहले कुख्यात अपराधियों ने वीडियो शूट कर सोशल मीडिया पर अपलोड किया। टोंक जेल का वीडियो वायरल हुआ, जिसमें बंदी खुलेआम हथियार लहरा रहे थे। बीकानेर जेल से धमकी भरे ऑडियो और वीडियो सामने आए, जिनमें अपराधी बाहर बैठे लोगों को जान से मारने की धमकी दे रहे थे। भरतपुर और जोधपुर जेल से भी बार-बार मोबाइल और सिमकार्ड बरामद होने की घटनाएँ सामने आई हैं। ऐसी घटनाएँ सिर्फ यह नहीं दिखातीं कि जेल प्रशासन की लापरवाही है, बल्कि यह भी बताती हैं कि अपराधी संगठित होकर जेल से बाहर की दुनिया को प्रभावित कर रहे हैं।

जेलों में मोबाइल कैसे पहुँचते हैं?

यह सबसे बड़ा सवाल है। जेलों

में सुरक्षा के नाम पर कई परतों वाली व्यवस्था होती है – जेल के गेट पर चेकिंग। बैरक और सेल में सीसीटीवी। सुरक्षाकर्मियों की 24 घंटे ड्यूटी। तलाशी अभियान। फिर भी, एनसीआरबी और राज्य स्तरीय रिपोर्टों के अनुसार केवल राजस्थान की जेलों से पिछले तीन वर्षों में 1,500 से अधिक मोबाइल फोन जब्त किए गए। यह आंकड़ा चौंकाने वाला है। मोबाइल जेलों तक पहुँचने के प्रमुख कारण – अंदरूनी मिलीभगत: कई बार जेल कर्मचारी ही रिश्वत लेकर बंदियों तक मोबाइल, सिम और चार्जर पहुँचा देते हैं। मुलाकात व्यवस्था: बंदियों से मिलने आने वाले रिश्तेदार या साथी अपराधी गुपचुप तरीके से मोबाइल पहुँचा देते हैं। सप्लाई चैनल: भोजन, सब्जी, दूध या अन्य वस्तुओं की आपूर्ति के दौरान भी मोबाइल छिपाकर अंदर पहुँचाए जाते हैं। ड्रोन का इस्तेमाल: कुछ जेलों में बाहरी अपराधियों ने ड्रोन से मोबाइल फेंकने तक की कोशिशें की हैं।

मोबाइल मिलने के खतरनाक असर

जेल में मोबाइल मिलना महज़ नियम तोड़ने की घटना नहीं है, बल्कि इसके दूरगामी खतरनाक परिणाम होते हैं।

जेल से अपराध का संचालन: कई गैंगस्टर जेल में बैठकर ही अपने गुर्गों को आदेश देते हैं। सुपारी किलिंग, वसूली, धमकी जैसे अपराध जेल से ही संचालित होते हैं।

समाज में डर का माहौल: जब आम लोग यह देखते हैं कि अपराधी जेल में भी उतने ही ताकतवर हैं, तो समाज में कानून के प्रति भरोसा टूटता है।

राजनीतिक और आर्थिक दबाव: कई बार जेलों से अपराधियों के वीडियो वायरल होकर राजनीति को प्रभावित करते हैं। कुछ मामलों में चुनावों में उम्मीदवारों को धमकियाँ दी जाती हैं।

जेल प्रशासन की साख पर दाग: हर बार जब मोबाइल या हथियार मिलते हैं, तो यह सीधे जेल प्रशासन की नाकामी साबित होती है।

जेल सुधार बनाम हकीकत

भारतीय दंड व्यवस्था कहती है कि जेल केवल दंड देने का स्थान नहीं बल्कि अपराधियों को सुधारने का केंद्र है। लेकिन जेलों से निकलने वाली खबरें बताती हैं कि सुधार की अवधारणा कहीं खोती जा रही है। अपराधी नशे की पार्टी करते हैं। मोबाइल पर वीडियो कॉलिंग कर धमकी देते हैं। हथियारों की नुमाइश कर सोशल मीडिया पर डालते हैं। जेल से बाहर अपने गिरोह को निर्देशित करते हैं। इन घटनाओं ने सुधार गृह की अवधारणा को मज़ाक बना दिया है।

सरकार और प्रशासन की भूमिका

यह सच है कि जेलों में भीड़ बहुत ज़्यादा है। क्षमता से दोगुने बंदी कैद हैं। लेकिन इसका यह मतलब नहीं होना चाहिए कि जेलें अपराधियों के लिए "सेफ हब" बन जाएँ। सरकार को जेल सुरक्षा में टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करना होगा। जेलकर्मियों की नियमित तलाशी और सत्यापन जरूरी है। भ्रष्ट कर्मचारियों पर सख़्त कार्रवाई होनी चाहिए। हर जेल में मोबाइल जैमर की प्रभावी व्यवस्था होनी चाहिए। ड्रोन रोधी तकनीक का इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

समाधान की दिशा

टेक्नोलॉजी आधारित निगरानी: सीसीटीवी कैमरे, मोबाइल सिग्नल जैमर और बायोमैट्रिक सिस्टम को और मजबूत करना होगा।

जेल स्टाफ की जवाबदेही: जिन जेलों से बार-बार मोबाइल बरामद हों, वहाँ अधिकारियों की जिम्मेदारी तय हो।

कड़े नियम और त्वरित सज़ा: जेल में मोबाइल या हथियार पाए जाने पर केवल बंदी ही नहीं बल्कि संबंधित जेलकर्मियों पर भी मुकदमा दर्ज होना चाहिए।

भीड़ घटाने की ज़रूरत: छोटी-मोटी वारदातों के बंदियों को वैकल्पिक सज़ा दी जाए। जैसे – सामुदायिक सेवा, जमानत पर छोड़ना या प्रोबेशन।

सुधार की असली पहल: अपराधियों को शिक्षा, कौशल विकास और मनोवैज्ञानिक परामर्श देना होगा ताकि वे जेल से निकलकर अपराध न करें।

मीडिया और समाज की भूमिका

मीडिया ने जेलों से वायरल वीडियो को जनता तक पहुँचाकर बड़ा काम किया है। अगर मीडिया इन घटनाओं को उजागर न करे, तो शायद प्रशासन इन्हें दबा देता। समाज को भी यह समझना होगा कि जेल केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि यह हमारी सामूहिक सुरक्षा की गारंटी है। जेलों से मोबाइल, हथियार और वीडियो वायरल होना केवल जेल प्रशासन की नाकामी नहीं बल्कि पूरे सिस्टम की कमजोरी है। यह इस बात का प्रमाण है कि अपराधी अब सलाखों के पीछे भी सुरक्षित महसूस करते हैं और कानून का डर उनके दिल से खत्म हो चुका है। अब वक्त है कि सरकार और जेल प्रशासन इस खतरे को गंभीरता से ले और कड़े फैसले करे। अन्यथा आने वाले समय में जेलें अपराधियों के लिए "सुरक्षित अड्डे" और समाज के लिए "सबसे बड़ा खतरा" बन सकती हैं। जेलों को सुधार गृह बनाना होगा, न कि अपराध का नया अड्डा। अगर यह सुधार आज नहीं किया गया तो कल बहुत देर हो जाएगी।

"टीपू सुल्तान: शेर-ए-मैसूर"

अंग्रेज़ों से जंग और रॉकेट तकनीक में अग्रणी

भारत का इतिहास कई महान योद्धाओं, राजाओं और स्वतंत्रता के दीवानों से भरा हुआ है। इन्हीं में से एक नाम है सुल्तान फ़तेह अली साहब टीपू, जिन्हें दुनिया टीपू सुल्तान और इतिहास "शेर-ए-मैसूर" के नाम से जानता है। वे ऐसे शासक थे जिन्होंने न सिर्फ़ अंग्रेज़ों की साम्राज्यवादी नीतियों को चुनौती दी, बल्कि अपने छोटे-से राज्य मैसूर को विज्ञान, तकनीक, कृषि और हथियारों के क्षेत्र में इतना मज़बूत बनाया कि ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी तक काँप उठती थी। उनका मशहूर जुमला – "शेर की एक दिन की ज़िंदगी गीदड़ की सौ साल की ज़िंदगी से बेहतर है।"

आज भी देशभक्तों को जज़्बा और हिम्मत देता है।

जन्म और शुरुआती जीवन

टीपू सुल्तान का जन्म 20 नवंबर 1750 को देवनहल्ली (आज का बेंगलुरु ज़िला, कर्नाटक) में हुआ। उनके पिता हैदर अली मूलतः एक सैनिक थे, जिन्होंने अपनी योग्यता और बहादुरी से धीरे-धीरे सत्ता संभाली और मैसूर राज्य को अंग्रेज़ों और मराठों से बचाते हुए मज़बूत किया। टीपू को बचपन से ही घुड़सवारी, तलवारबाज़ी, तोपख़ाना और रणनीति की शिक्षा दी गई। उन्हें फ़ारसी, अरबी, उर्दू और कन्नड़ भाषा का ज्ञान था। इसके साथ ही गणित और विज्ञान की शिक्षा ने उन्हें आगे चलकर एक तकनीकी सोच वाला सुल्तान बनाया।

हैदर अली का उत्तराधिकारी

हैदर अली ने अपने बेटे को शुरू से ही जंग का तजुर्बा दिलाया। टीपू सिर्फ़ 15 साल की उम्र में ही पहली बार अंग्रेज़ों के ख़िलाफ़ लड़ाई में शामिल हुए। 1767–69 की पहली मैसूर-अंग्रेज़ जंग में उन्होंने अपनी क़ाबिलियत साबित कर दी। 1782 में हैदर अली का निधन हुआ और महज़ 31 साल की उम्र में टीपू सुल्तान मैसूर की गद्दी पर बैठे।

शेर-ए-मैसूर क्यों कहलाए?

टीपू सुल्तान अपनी बहादुरी, तेज़ दिमाग़ और रणनीति के कारण "शेर-ए-मैसूर" कहे जाने लगे। उन्होंने अंग्रेज़ों को तीन-तीन बड़ी लड़ाइयों में हराया। वे जानते थे कि अंग्रेज़ सिर्फ़ व्यापार के बहाने आए हैं, लेकिन धीरे-धीरे पूरे हिंदुस्तान को गुलाम बनाना चाहते हैं।

अंग्रेज़ों के ख़िलाफ़ जंगें

पहली जंग (1767–69) हैदर अली और किशोर उम्र के टीपू ने मिलकर अंग्रेज़ों और उनके साथियों को कड़ी शिकस्त दी।

दूसरी जंग (1780–84) इसमें टीपू ने कई जगह अंग्रेज़ों को परास्त किया। मैंगलोर की संधि (1784) में अंग्रेज़ों को झुकना पड़ा और टीपू की शक्ति माननी पड़ी।

तीसरी जंग (1790–92) इस बार अंग्रेज़ों ने मराठों और हैदराबाद के निज़ाम को साथ लेकर हमला किया। टीपू ने बहादुरी से मुक़ाबला किया लेकिन संधि में उन्हें अपना आधा राज्य अंग्रेज़ों को देना पड़ा।

चौथी जंग (1799) – श्रीरंगपट्टनम की लड़ाई यह निर्णायक लड़ाई थी। अंग्रेज़ों ने भारी सेना के साथ हमला किया। टीपू सुल्तान ने हार मानने के बजाय आख़िरी दम तक जंग लड़ी और 4 मई 1799 को वे शहीद हो गए।

"शेर की एक दिन की ज़िंदगी..." जब उन्हें सलाह दी गई कि अंग्रेज़ों से समझौता कर लिया जाए, तो उन्होंने साफ़ कहा – "शेर की एक दिन की ज़िंदगी गीदड़ की सौ साल की ज़िंदगी से बेहतर है।" यह वाक्य उनके जज़्बे और आत्मसम्मान का प्रतीक है। वे जानते थे कि मौत तय है, लेकिन गुलामी स्वीकारना उनके खून में नहीं था।

विज्ञान और तकनीक में योगदान

बहुत कम लोग जानते हैं कि टीपू सुल्तान सिर्फ़ योद्धा ही नहीं, बल्कि वैज्ञानिक सोच वाले शासक भी थे। रॉकेट टेक्नोलॉजी – उन्होंने बारूद और लोहे के खोल से रॉकेट तैयार करवाए। यह दुनिया की पहली संगठित रॉकेट आर्टिलरी थी। मैसूर रॉकेट्स – इन रॉकेटों का इस्तेमाल अंग्रेज़ों के ख़िलाफ़ किया गया। बाद में अंग्रेज़ इनकी तकनीक को इंग्लैंड ले गए और "कांग्रीव रॉकेट" बनाए। नौसेना की स्थापना – उन्होंने मैसूर को समुद्री शक्ति बनाने की कोशिश की। सिक्कों और तोपों का निर्माण – उन्होंने अपनी टकसाल और तोपख़ाना मज़बूत किया।

शासन और सुधार

टीपू सुल्तान ने अपने राज्य में कई प्रशासनिक और सामाजिक सुधार किए। किसानों को भूमि का अधिकार दिया। रेशम उद्योग, हथकरघा और व्यापार को बढ़ावा दिया। विदेशी व्यापारियों से सीधे संबंध स्थापित किए – ओटोमन साम्राज्य, फ़्रांस और अरब देशों से संबंध बनाए। उन्होंने अपने दरबार में विज्ञान और तकनीक को बढ़ावा दिया।

धार्मिक नीति और व्यक्तित्व

अक्सर उन्हें लेकर विवाद खड़े किए जाते हैं। लेकिन यह सच है कि वे अपने राज्य में मंदिरों और मस्जिदों दोनों का संरक्षण करते थे। कई मंदिरों को उन्होंने ज़मीन और अनुदान दिया। वे मज़हबी कट्टरपंथी से ज़्यादा राष्ट्रभक्त शासक थे। उनका व्यक्तित्व एक सख़्त लेकिन न्यायप्रिय सुल्तान का था। वे सादगी पसंद थे और मेहनतकशों की क़द्र करते थे।

शहादत और विरासत

4 मई 1799 को श्रीरंगपट्टनम में जब अंग्रेज़ों की सेना क़िले की दीवार तोड़कर अंदर दाख़िल हुई, तब भी टीपू अपनी तलवार से लड़ रहे थे। वे मारे गए लेकिन बंदी नहीं बने। उनकी शहादत के बाद मैसूर अंग्रेज़ों के क़ब्ज़े में चला गया। लेकिन उनकी शख़्सियत आज भी ज़िंदा है। उनकी तलवार, उनका जुमला और उनकी बहादुरी आने वाली पीढ़ियों के लिए मिसाल है।

इतिहासकारों की नज़र में

अंग्रेज़ उन्हें "ख़तरनाक दुश्मन" मानते थे। भारतीय इतिहासकार उन्हें "स्वतंत्रता संग्राम का पहला शहीद" कहते हैं। वे 1857 की क्रांति से पहले ही विदेशी हुकूमत की असलियत समझ चुके थे। टीपू सुल्तान की ज़िंदगी इस बात की मिसाल है कि अगर एक शासक में आत्मसम्मान, बहादुरी और दूरदर्शिता हो, तो वह अपने छोटे-से राज्य से भी साम्राज्यवादी ताक़तों को चुनौती दे सकता है। उनकी शहादत के दो सौ साल बाद भी उनका नाम सुनते ही अंग्रेज़ इतिहासकारों को तकलीफ़ होती है। और भारतीय दिलों में गर्व पैदा होता है। शेर-ए-मैसूर टीपू सुल्तान ने सही कहा था – "शेर की एक दिन की ज़िंदगी गीदड़ की सौ साल की ज़िंदगी से बेहतर है।" "टीपू सुल्तान, शेर-ए-मैसूर: अंग्रेज़ों से भीषण लड़ाइयाँ लड़ने वाले महान योद्धा, जिन्होंने श्रीरंगपट्टनम की जंग में शहादत पाई और मैसूर रॉकेट तकनीक से सैन्य नवाचार किया। उनका शासन प्रशासन, कृषि, व्यापार और विज्ञान में सुधारों से भरा था। टीपू सुल्तान का जीवन साहस, रणनीति और आत्मसम्मान का प्रतीक है। उनका जुमला 'शेर की एक दिन की ज़िंदगी गीदड़ की सौ साल की ज़िंदगी से बेहतर है' आज भी देशभक्ति और वीरता की प्रेरणा देता है। वे भारतीय इतिहास में स्वतंत्रता और आधुनिक सैन्य तकनीक के अद्वितीय प्रतीक हैं।"

राजकीय संग्रहालय में सिंधु सभ्यता की मिलेगी अनोखी झलक

-पर्यटन को नई पहचान देगा उन्नत संग्रहालय- उप मुख्यमंत्री

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री बजट घोषणा के तहत राजकीय संग्रहालय, अजमेर के संरक्षण, जीर्णोद्धार एवं उन्नयन कार्यों का बुधवार को उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी तथा विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शुभारंभ किया। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि संग्रहालय किसी भी समाज की धरोहर होता है। ये प्राचीन सभ्यता, जीवनशैली, कला, युद्ध कौशल और चिंतन को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाता है। उन्होंने कहा कि संग्रहालय का रख-रखाव सरकार की जिम्मेदारी है। इसके साथ नागरिकों की भी यह जिम्मेदारी बनती है कि वे अपने परिवार और बच्चों के साथ इन धरोहर स्थलों पर जाएं और उन्हें जीवंत बनाए रखें। उन्होंने कहा कि बजट घोषणा के अंतर्गत 5 करोड़ रुपये की राशि संग्रहालय विकास कार्यों के लिए स्वीकृत की गई थी, जो अब धरातल पर उतर रही है। उन्होंने कहा कि हेरिटेज लाइब्रेरी के नवीनीकरण और पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण के लिए भी बजट प्रावधान किया जाएगा। स्थानीय कामगारों की हस्तनिर्मित वस्तुओं को बढ़ावा देने के लिए संग्रहालय में एक सवेनिअर शॉप स्थापित की जाए। इससे वोकल फॉर लोकल की भावना को प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा कि आगामी समय में घूमर उत्सव का आयोजन किया जाएगा। ऐतिहासिक धरोहरों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन नियमित रूप से किया जाना चाहिए। इससे धरोहरों की जीवंतता बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर पर्यटक स्थलों से संबंधित जानकारी प्रदर्शित करने वाले साइन बोर्ड लगाए जाने आवश्यक है। इससे पर्यटक बढ़ेंगे। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे सोशल मीडिया सहित अन्य प्लेटफॉर्म पर अपने स्थानीय पर्यटक स्थलों को बढ़ावा दें।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि राजकीय संग्रहालय का उन्नयन अजमेर की ऐतिहासिक पहचान को नई दिशा देगा। संग्रहालय में सुरक्षित प्राचीन पांडुलिपियां और हजारों वर्षों की मानव सभ्यता से जुड़ी मूर्तियां हमारी संस्कृति के धरोहर हैं। सिंधु दर्शन दीर्घा पर्यटकों को विश्व की प्राचीनतम सभ्यता का सजीव अनुभव कराएगी। उन्होंने इसे सांस्कृतिक पुनर्जागरण की संज्ञा देते हुए कहा कि नई पीढ़ी यहां आकर अपने पूर्वजों के त्याग और बलिदान से परिचित हो सकेगी। उन्होंने कहा कि संग्रहालय में पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण कर इन्हें स्थाई रूप से संरक्षित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अजमेर पर्यटन की दृष्टि से राज्य का हृदय है, जहां धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों के साथ-साथ पर्यावरणीय पर्यटन की भी असीम संभावनाएं हैं। उन्होंने लेपर्ड सफारी, वरुण सागर का सौंदर्यकरण, साइंस पार्क और अन्य परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि ये पुष्कर एवं दरगाह आने वाले पर्यटकों को नए विकल्प प्रदान करेंगी। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा और शहर विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा। इस अवसर पर संभागीय आयुक्त शक्ति सिंह राठौड़, पुरातत्व विभाग के निदेशक पंकज धरेन्द्र, उपनिदेशक श्रीमती कृष्णकान्ता शर्मा, वृत अधीक्षक नीरज कुमार त्रिपाठी, केन्द्रीय संग्रहालय जयपुर के अधीक्षक महेन्द्र कुमार निम्हल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

ग्रामीण विकास मंत्री ने किया सुमंगल दीपावली मेला– 2025 का शुभारंभ

-मेला स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के हुनर और आत्मनिर्भरता का प्रतीक

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। ग्रामीण विकास मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल ने राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) के सौजन्य से इंदिरा गांधी पंचायती राज सस्थान में आयोजित हो रहे सुमंगल दीपावली मेला–2025 का बुधवार को शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यह मेला स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के हुनर और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। यह आयोजन केवल एक उत्सव नहीं बल्कि ग्रामीण जीवन, कला, संस्कृति और महिला सशक्तीकरण का एक सशक्त मंच है जो ग्रामीण महिलाओं के जीवन में नई रोशनी लेकर आएगा। डॉ. किरोड़ी ने कहा कि राजीविका ने प्रशिक्षण, वित्तीय सहयोग और विपणन अवसर प्रदान कर ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाया है। आज ये महिलाएँ न केवल अपने परिवारों का संबल हैं बल्कि गाँव की अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बना रही हैं। उन्होंने मेले में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं से बात कर उनकी संख्या, लागत और आय के बारे में जानकारी ली। उन्होंने आमजन से इस मेले में अधिक से अधिक खरीदारी करने का आह्वान किया तथा कहा कि यहां से खरीदा गया प्रत्येक उत्पाद केवल एक वस्तु नहीं बल्कि हमारी ग्रामीण बहनों की मेहनत और सपनों का प्रतीक है। उन्होंने अलवर के स्वयं सहायता समूह द्वारा लगाई गई स्टॉल से दीये खरीद कर यूपीआई से भुगतान किया। उल्लेखनीय है कि यह मेला 1 से 12 अक्टूबर तक इंदिरा गांधी पंचायती राज ग्रामीण विकास संस्थान परिसर जवाहर लाल नेहरू मार्ग जयपुर में प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से रात्रि 9 बजे तक आयोजित किया जा रहा है। मेले में 65 हैंडीक्राफ्ट स्टॉल्स एवं 10 स्टॉल्स से सजा भव्य फूड कोर्ट आकर्षण के केंद्र हैं। यहाँ आगंतुकों को राजस्थान के विविध जिलों के हस्तनिर्मित उत्पाद और परम्परागत राजस्थानी व्यंजनों का आनंद लेने का अवसर मिल रहा है। मेले में जयपुर की ब्लू पॉटरी, सांगानेरी व बगरू प्रिंट, कोटा डोरिया साड़ी, सवाई माधोपुर की लाख की चूड़ियाँ, राजसमंद की मीनाकारी एवं मोलेला पॉटरी, बीकानेर के अचार व नमकीन, अलवर का टेराकोटा, भरतपुर के जूट उत्पाद, नागौर की कैर, सांगरी व कसूरी मेथी, बांसवाड़ा के तीर-कमान, श्रीगंगानगर के सॉफ्ट टॉयज, दौसा एवं जालोर की राजस्थानी जूतियाँ विशेष आकर्षण का केंद्र हैं। मेले में आगंतुक राजस्थानी भोजन दाल-बाटी-चूरमा, गट्टे की सब्जी, केर-सांगरी, बाजरे व ज्वार की रोटी, कढ़ी-पकोड़ी, घेवर, मालपुआ, फेणी और रबड़ी जैसे स्वादिष्ट व्यंजनों का लुफ्त भी उठा रहे हैं। इस अवसर पर राज्य मिशन निदेशक श्रीमती नेहा गिरि एवं परियोजना निदेशक (प्रशासन) श्रीमती प्रीति सिंह सहित अन्य विभागीय अधिकारी और स्वयं सहायता समूहों की महिलाए उपस्थिति रही।

69वी राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता का हुआ उद्घाटन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता का राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय तोपदड़ा, अजमेर में बुधवार को शुभारम्भ हुआ। देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष ओम प्रकाश भड़ाणा ने प्रतियोगिता का ध्वज आरोहण किया और सभी जिले से आए हुए खिलाडियों को बधाई देते हुए सभी को खेल की भावना से खेलने का आह्वान किया। लघु उद्योग संघ अध्यक्ष एवं नारेली जैन तीर्थ महामंत्री अतुल जैन ने बताया कि छात्र-छात्राओं को खेल-खेल की भावना से खेलना चाहिए। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि बलराज कच्छावा, एसडीएमसी सदस्य, पार्षद रणजीत सिंह नरूका, जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय प्रारंभिक शिक्षा गोविंद नारायण शर्मा, अल्प भाषाई संस्थान प्राचार्य श्रीमती किरण बाला जोनवाल, भंवर सिंह राठौड़, अंतर्राष्ट्रीय बॉक्सिंग रैफरी विशाल निर्वाण भी उपस्थित रहे। 17 से 19 आयु वर्ग की इस प्रतियोगिता में 37 जिलों से 17 वर्ष श्रेणी में 341 छात्र, 258 छात्रा, 19 वर्ष श्रेणी में 261 छात्र, 176 छात्रा सहित कुल 1036 छात्र-छात्राओं ने प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए उपस्थिति दर्ज कराई।

मनोहरपुर के हरिहर कुमावत बने राजस्थान LDC टॉपर - पूरे प्रदेश में गूंजा नाम

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। कस्बे के कुमावत मोहल्ले के होनहार युवा हरिहर कुमावत ने मेहनत, लगन और अनुशासन से वो कर दिखाया जो पूरे राजस्थान के लिए गर्व का विषय बन गया है। श्री कृष्ण विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल के इस पूर्व छात्र ने LDC भर्ती परीक्षा 2024 में पूरे राजस्थान में प्रथम स्थान प्राप्त कर इतिहास रच दिया।ऐसे में साधारण परिवार से आने वाले हरिहर ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, गुरुजनों और विद्यालय को देते हुए कहा – "विद्यालय का अनुशासन, शिक्षकों का मार्गदर्शन और माता-पिता का आशीर्वाद ही मेरी सफलता की असली ताकत हैं।" इस दौरान हरिहर की ऐतिहासिक उपलब्धि पर विद्यालय प्रांगण में भव्य सम्मान समारोह आयोजित हुआ। विद्यालय निदेशक डॉ. राजेंद्र यादव ने माल्यार्पण कर हरिहर का अभिनंदन किया और कहा – "यह सफलता केवल विद्यालय ही नहीं, पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का क्षण है। हरिहर आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है।"

इस अवसर पर संरक्षक रामकरण बाड़ीगर, सचिव रामकिशन यादव, प्रिंसिपल मदनलाल यादव, प्रबंधक शेर सिंह यादव सहित अनेक गणमान्य लोग, शिक्षकगण, छात्र-छात्राएँ और अभिभावक उपस्थित रहे। सभी ने हरिहर के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं कीं। हरिहर कुमावत की यह कामयाबी इस बात की मिसाल है कि सही मार्गदर्शन और निरंतर परिश्रम से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उनकी सफलता ने न सिर्फ परिवार, बल्कि पूरे मनोहरपुर और प्रदेश का नाम रोशन किया है। वही हरिहर की यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि समाज को यह संदेश है कि अवसर हर किसी के लिए बराबर हैं, ज़रूरत है तो बस जज़्बे और मेहनत की।

मनोहरपुर थाना के पांच हेड कांस्टेबल बने एएसआई

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका) । पुलिस महकमे में बुधवार को आईजी व जयपुर ग्रामीण एसपी के निर्देशन में मनोहरपुर थाना के पांच हेड कांस्टेबलों को एएसआई पद पर पदोन्नति दी गई।

इस अवसर पर पूरे थाना क्षेत्र में हर्ष और खुशी की लहर दौड़ गई। इस दौरान मनोहरपुर थाना के रमेश चंद जाटव, सुरेन्द्र सिंह राठौड़, रामकरण मूलचंद व धर्मपाल को एएसआई बनाया गया।

इन सभी ने अपने अब तक के कार्यकाल में जुझारूपन, कर्तव्यनिष्ठा और कर्मठता से जनता और महकमे का विश्वास जीता है। थाना क्षेत्र में इनकी छवि हमेशा न्यायप्रिय और जनता-हितैषी पुलिसकर्मी के रूप में रही है। वही थाना परिसर में जैसे ही पदोन्नति की सूचना मिली, साथियों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जताई। इस दौरान थाना प्रभारी सहित समस्त पुलिसकर्मियों ने कहा कि "ये पांचों अधिकारी हमारे लिए प्रेरणास्रोत हैं। इनके कार्यों ने हमेशा थाना की छवि को निखारा है।" इनकी पदोन्नति से न केवल पुलिस महकमे का मनोबल ऊंचा हुआ है बल्कि क्षेत्र की जनता में भी हर्ष है। लोग मानते हैं कि ऐसे ईमानदार, कर्मठ और जिम्मेदार पुलिसकर्मी ही समाज को सुरक्षित और न्यायपूर्ण बनाते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर जामड़ोली में विशेष शिविर का हुआ आयोजन

- सांसद मंजू शर्मा की अध्यक्षता में हुआ आयोजन, समाजसेवियों का हुआ सम्मान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार जयपुर जिले में संचालित सक्षम जयपुर अभियान वरिष्ठ नागरिकों के लिए सहारा साबित हो रहा है। अभियान के तहत अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर बुधवार को जामड़ोली स्थित सामाजिक न्याय संकुल में विशेष शिविर का आयोजन किया गया। सांसद श्रीमती मंजू शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों को सहायक उपकरणों का वितरण किया गया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक बी.पी. चंदेल ने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशों की अनुपालना में सक्षम जयपुर अभियान के तहत आयोजित हुए विशेष शिविर में राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अंतर्गत चयनित वरिष्ठ नागरिकों सहायक उपकरणों का वितरण किया गया। समारोह का आयोजन जिला प्रशासन एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के उपक्रम भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। उन्होंने बताया कि सक्षम जयपुर अभियान के तहत 8 अगस्त से 23 सितम्बर 2025 तक जिले की सभी पंचायत समिति व नगर निकाय मुख्यालयों पर चिन्हीकरण शिविर आयोजित किए गए थे। इन शिविरों में 1040 वरिष्ठ नागरिक चिन्हित किए गए जिन्हें कुल 5600 सहायक उपकरण प्रदान किए गए। जिनमें व्हीलचेयर, वॉकिंग स्टिक, श्रवण यंत्र, सेकल बेल्ट, नी-ब्रॉस, बैसाखी और सर्वाइकल कॉलर आदि शामिल हैं। वहीं, समारोह में अतिथियों द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को शॉल, श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता रवि नय्यर, अतिरिक्त जिला कलक्टर (चतुर्थ) आशीष कुमार, उपखंड अधिकारी राजेश जाखड़, भारत सरकार के सी.आर.सी. निदेशक नीरज मधुकर, एलिम्को के उपप्रबंधक हरीश कुमार कक्कड़ एवं ललित कुमार, उपनिदेशक जितेन्द्र कुमार सेठी सहित अनेक अधिकारी उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर शतायु मतदाताओं को किया सम्मानित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस 01 अक्टूबर के अवसर पर भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार शतायु (100 वर्ष व अधिक आयु) मतदाताओं को जिला स्तर, विधानसभा स्तर व पंचायत स्तर पर सम्मानित किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी जयपुर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने सिविल लाइन्स निवासी शतायु मतदाता श्याम लाल शर्मा को उनके निवास स्थान पर जाकर सम्मानपत्र, श्रीफल देकर, फूलमाला पहनाकर व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उप जिला अधिकारी मेघराज मीणा, सिविल लाइन्स विधानसभा के निर्वाचन पंजीकरण पदाधिकारी गौरव बॉकावत उपस्थित थे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने इस अवसर पर कहा कि "कोई मतदाता पीछे न छूटे" की भावना को साकार करना ही इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है।

इसी क्रम में विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में 22 मतदाताओं का सम्मान बी.एल.ओ. द्वारा उनके घर जाकर किया गया।

इस अवसर पर विधानसभा क्षेत्र की निर्वाचक पंजीकरण पदाधिकारी श्रीमती सुमन चैधरी स्वयं मतदाताओं के घर पहुँचीं और उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

श्रीमती चैधरी ने मतदाताओं को लोकतंत्र की सशक्तिकरण प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित करते हुए आगामी निर्वाचन में अनिवार्य रूप से मतदान करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में चुनाव प्रभारी प्रमोद चैधरी, सुपरवाइजर दिलीप राव एवं बीएलओ श्रीमती दलजीत कौर भी उपस्थित रहीं।

इसी प्रकार झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र पांच्यावाला बूथ 280 पर शतायु मतदाता रसाल कंवर को बीएलओ जितेंद्र भारद्वाज, सुपरवाईजर लक्ष्मण सिंह सांखला एवं मास्टर टेनर मदन देव जेवारिया स्वयं उनके घर पहुँचे और उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र बस्सी में शतायु मतदाता लक्ष्मी देवी को ईआरओ गरिमा शर्मा द्वारा उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र चैमू में शतायु मतदाता मोहरी देवी को ईआरओ चैमू दिलीप सिंह द्वारा उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

नगर निगम ग्रेटर सतर्कता शाखा की बड़ी कार्रवाई

-9 हजार 500 रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 02 केन्टर सामान जब्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में बुधवार को सतर्कता शाखा की टीम द्वारा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में बापू नगर जनता स्टोर एवं गांधी नगर रेलवे स्टेशन से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 9 हजार 500 रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 02 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में बापू नगर जनता स्टोर एवं गांधी नगर रेलवे स्टेशन से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 02 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 9 हजार 500 रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

शहर की सफाई व्यवस्था की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए फील्ड पर उतरी नगर निगम ग्रेटर की पूरी टीम

-150 वार्ड OIC ने किया फील्ड पर जाकर सफाई व्यवस्था का निरीक्षण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर की टीम शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने एवं स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 में टॉप 3 में आने के लिए लगातार एक्शन मोड में कार्य कर रही है। बुधवार को नगर निगम ग्रेटर की पूरी टीम फील्ड पर उतरी। सभी वार्ड OIC ने आवंटित वार्ड की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। सभी OIC ने सफाई कर्मचारियों की हाज़िरी, मुख्य मार्गों पर कचरा पात्र की स्थिति, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण का फीडबैक, सफाई कर्मचारी प्रोपर यूनिफॉर्म में है या नहीं, कचरा डिपो की स्थिति, अवैध हॉर्डिंग-बैनर-पोस्टर, सी एंड डी वेस्ट, सार्वजनिक शौचालय की स्थिति सहित 20 बिंदुओं पर सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया।

आयुक्त ने बुधवार को मालवीय नगर जोन में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। आयुक्त ने बजाज नगर, जेएलएन मार्ग, टोंक रोड, ओटीएस चौराहा, पत्रिका गेट आदि का निरीक्षण किया। मुख्य मार्गों पर गंदगी पायी जाने पर नाराज़गी ज़ाहिर की तथा मौके पर ही सफाई करवाने के निर्देश दिये। आयुक्त ने मुख्य मार्गों पर लगे हुए कचरा पात्रों की स्थिति को भी देखा। जहाँ कचरा पात्र टूटे हुए मिले, उन्हें बदलने एवं जहाँ कचरा पात्र कचरे से भरे हुए थे, उन्हें खाली करवाने के निर्देश दिए।

आयुक्त ने बताया कि शहर को स्वच्छ रखना हमारे लिए प्राथमिक कार्य है। तकनीक का उपयोग, प्रभावी मॉनिटरिंग, आमजन को समझाइश, धरातल पर सफाई, जन भागीदारी और जन जागरूकता से ही शहर स्वच्छ और सुंदर बन सकेगा।

आयुक्त के निर्देश पर बुधवार को ग्रेटर क्षेत्राधिकार के 150 वार्डों में 150 वार्ड OIC सुबह 7:30 बजे से 9:00 बजे तक आवंटित वार्ड की सफाई व्यवस्था को परखने फील्ड पर उतरे। मौके पर जाकर स्वच्छता के विभिन्न मानकों को जाँचा। डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था का आमजन से फीडबैक लिया। आमजन को गंदगी न फैलाने के लिए समझाइश की तथा मौके पर कैरिंग चार्ज भी वसूल किया।

ऑक्सफोर्ड सनशाइन स्कूल में गाँधी जयंती का आयोजन

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। कस्बे के राष्ट्रीय राजमार्ग के टोल प्लाजा के पास स्थित ऑक्सफोर्ड सनशाइन स्कूल में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ महात्मा गाँधी के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकों ने गाँधी जी के जीवन-चरित्र और दर्शन पर प्रकाश डाला। साथ ही, विद्यार्थियों ने भी उनके विचारों और आदर्शों पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं विद्यालय के निदेशक रामफूल ने गाँधी जी द्वारा प्रतिपादित सत्य, अहिंसा एवं सादगीपूर्ण जीवन जैसे मूल्यों पर अपना उद्बोधन दिया। उन्होंने छात्रों को इन सिद्धांतों को अपने दैनिक जीवन में आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय के निर्देशक राकेश कुमार एवं शंकर लाल ने भी अपना मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन रीतु शर्मा एवं धर्म सिंह द्वारा किया गया। इस दौरान अंत में, विद्यालय के प्रधानाचार्य चतुर्भुज ब्रह्मभट्ट ने सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं का आभार व्यक्त किया।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/ 108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

मुफ्ती-ए-आजम राजस्थान के उर्स की तैयारियो को लेकर बेठक आयोजित

-उर्स 12 अक्टूबर रविवार को

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। अल इस्हाकिया अल अशफाकिया ट्रस्ट के अध्यक्ष हाजी मोइनुद्दीन अशरफी ने बताया कि हजरत मुफ्ती-आजम-ए राजस्थान का 12 वां उर्स मुबारक 12 अक्टूबर को दरगाह परिसर में आयोजित होगा यह सालाना उर्स चोखा दरगाह स्थित हजरत अशफाक हुसैन नईमी रहमतुल्लाह अलैह की दरगाह परिसर में आयोजित होता है उर्स में राजस्थान ही नहीं बल्कि पूरे देश से मुरीद आते हैं। ट्रस्टी मोहम्मद सदीक राजू और मोहम्मद आरिफ ने बताया कि उर्स मुफ्ती ए आजम राजस्थान में इस बार पीर बापू गुलाम हुसैन जिलानी साहब सुजा शरीफ, मोलाना मुहम्मद कलीम अशरफ जिलानो उत्तर प्रदेश, मोलाना मुहम्मद सईद नूरी मुम्बई, मौलाना शमसुद्दीन मकराना, मोलाना तौसीफ रजा, डॉ. हफिजुर रहमान दिल्ली सहित कई स्थानीय ओलमा ए अहले सुन्नत शिरकत करेंगे। मीडिया प्रभारी साजिद खान ने बताया कि इस बेठक में शौकत खान, इस्माइल बैग, मोहम्मद आरिफ, परवेज खान, मोहम्मद इरफान कुरैशी, रसूल बख्श, मोहम्मद सलीम, मोहम्मद जाकिर, मौलाना रज्जब अली, नियामत पठान, फजलुद्दीन छिपा, सद्दीक राजु, समाजसेवी जावेद हुसैन, आरिफ मारसाब, उमर गोल्डन, साजिद आदिल, मोहम्मद जाकिर, मोबिन कादरी, जावेद जाय, साबिर अली, वसीम आफरिदो, मुख्तियार चिश्ती, फजलुद्दीन, पप्पू खान, हबीब खान, मुश्ताक अहमद, शोएब, साबिर हुसैन, मोहम्मद साजिद, राजू नूरी, आसिफ नूरी, इमरान कुरेशी, जुल्फिकार, रमजान अली सहित कई समाजसेवी, मुरीद ओर अकीदतमंद उपस्थित रह।

शहर कांग्रेस कमेटी ने प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा का जन्मदिन सेवा दिवस के रूप में मनाया

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के जन्मदिवस को पूरे प्रदेश में कांग्रेसजनों द्वारा बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इसी क्रम में बारां में शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रशांत भारद्वाज के नेतृत्व में प्रदेशाध्यक्ष का जन्मदिन सेवा दिवस के रूप में मनाया गया। प्रशान्त भारद्वाज ने बताया कि प्रदेश की सेवा के लिए अपने जीवन का एक बड़ा हिस्सा देने वाले हमारे ऊर्जावान प्रदेशाध्यक्ष का जन्मदिन सेवा दिवस के रूप में मनाकर हमारे द्वारा उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की। शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा पूर्व सभापति कैलाश पारस, जिला संगठन महामंत्री कैलाश जैन, पीसीसी सचिव धर्मराज मेहरा, मण्डल अध्यक्ष नवीन सोन, प्रवक्ता खेमराज रहलाई, श्याम गौत्तम जैसे वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं की उपस्थिति में सेवा दिवस की शुरुआत श्रीकृष्ण गौशाला में गौमाताओं को गुड़ एवं हरा चारा खिलाकर की। इसके बाद कांग्रेस कार्यकताओं ने शहर के विभिन्न मार्गों पर बैठे हुए गौवंश को हरा चारा खिलाया और गौशाला में ही केक काटकर एक-दूसरे का मुंह मीठा करवाया। दोपहर को कांग्रेसजनों ने पौधारोपण कार्यक्रम के माध्यम से पौधे लगाए वहीं शाम को शहीद राजमल मीणा राजकीय चिकित्सालय बारां में मरीजों को खिचड़ी एवं फल वितरित किए। प्रदेश अध्यक्ष गोविन्दसिंह डोटासरा के जन्मदिन पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान अनिल सेन, हरिराम ऐरवाल, विष्णु शाक्यवाल, अर्जुन यशवंत, पीयूष सोनी, अंकुर सक्सेना, रवि भूमलिया, मुकेश प्रजापति, विजय बैरवा, अंकुश गर्ग, धर्मवीर सरदार, भरत मालवीय, दिलीप शर्मा समेत दर्जनों कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वोकल फॉर लोकल अभियान

-हरिओम गर्ग जिला संयोजक व सुरेन्द्र शर्मा सह संयोजक नियुक्त

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। वोकल फॉर लोकल अभियान के जिला संयोजक व सह संयोजक किए नियुक्त, जिला प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा ने बताया भारतीय जनता पार्टी राजस्थान के माननीय प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के निर्देशानुसार वोकल फॉर लोकल अभियान के प्रदेश संयोजक रामलाल शर्मा ने सवाई माधोपुर जिला अध्यक्ष मानसिंह गुर्जर की, सहमति से सेवा पखवाड़ा, वोकल फॉर लोकल अभियान के लिए जिला संयोजक हरिओम गर्ग एवं सह संयोजक सुरेंद्र शर्मा के नाम की घोषणा की।

अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर समाज कल्याण सप्ताह का किया शुभारंभ, 20 वृद्धजनों का किया सम्मान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राज्य सरकार के निर्देशानुसार बुधवार को अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर पेंशनर भवन में आयोजित कार्यक्रम में समाज कल्याण सप्ताह का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में चूरू विधायक हरलाल सहारण ने 20 वृद्धजनों का सम्मान किया। इस अवसर पर विधायक सहारण ने कहा कि वृद्धजन राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं, जिनके अनुभवों से युवा पीढ़ी को लाभान्वित होना चाहिए। उन्होंने महात्मा गांधी की जयंती के उपलक्ष में चूरू जिले को स्वच्छ व प्लास्टिक मुक्त बनाने का आह्वान किया तथा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशन में वृद्धजनों के कल्याण हेतु के लिए पेंशन की प्रतिवर्ष बढ़ोतरी राशि के बारे जानकारी दी। एसजेईडी डीडी नगेन्द्र सिंह राठौड़ ने कहा कि समाज में बुजुर्गों व पेंशनर्स का अहम स्थान है। सेवानिवृति के बाद भी राष्ट्र निर्माण में वे अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने विभाग की कल्याणकारी योजनाओं एवं समाज कल्याण सप्ताह के अन्तर्गत होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की।चिकित्सा विभाग के डॉ सुरेन्द्र भुकाल व नर्सिंग ऑफिसर नवेश मीणा ने वृद्धजनों का चिकित्सा परीक्षण किया एवं उनको स्वास्थ्य के बारे में जागरूक किया।लक्ष्मण सिंह बीका ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान बंसत शर्मा, भास्कर शर्मा, विमला गढवाल, पदमसिंह राठौड़, सुरेश सारस्वत, नरेन्द्र काछवाल, सुनिल ढ़ाका, हरिसिंह, नवरत्न महर्षि, ओमप्रकाश स्वामी, श्रीचन्द इसरान, शेरसिंह चौहान, शुभकरण सोनी, पूर्णमल सोनी, घनश्याम शर्मा, रघुवीर सिंह, दिनेश कुमार, रामनिवास भुंवाल, लाखन सिंह बीका, नीतू, पंकज, विजय खेड़ीवाल, नरेन्द्र झोरड़, मनीष जाखड़, पवन कुमार थालौड़ आदि मौजूद रहे। संचालन हरिसिंह ने किया।

क्रीडा प्रतियोगिता के दूसरे दिन विभिन्न जिलों की खिलाडियों ने दिखाया दमखम

-रौमांचक मुकाबलों में दर्शकों ने खिलाडियों का बढाया हौंसला

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के राजकीय बालिका उमावि मानटाउन के संयोजन में पुलिस लाइन मैदान में चल रही राज्य स्तरीय नेटबॉल(17/19 वर्ष छात्रा वर्ग) क्रीडा प्रतियोगिता के तहत बुधवार को छह मैदान में रौमांचक मुकाबले हुए। रौमांचक मुकाबलों में दर्शकों ने खिलाडियों का हौंसला बढाया वहीं खिलाडियों ने अपना दमखम दिखाते हुए मैच को जीतने के पूरे प्रयास लगाए। प्रतियोगिता संयोजक एवं प्रधानाचार्य राबाउमावि मानटाउन कल्पना शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता शुभारंभ के बाद मंगलवार को 30 मुकाबले हुए। वहीं बुधवार को सुबह की पारी में 42 लीग मैच खेले गए। शाम की पारी के मैच समाचार लिखे जाने तक जारी है। जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक हरकेश लाल मीना ने बताया कि प्रतियोगिता आयोजन के लिए आवश्यक सभी व्यवस्थाएं सुचारू की गई है। प्रतियोगिता के निर्णायकों सहित लगाए गए सभी कार्मिकों द्वारा पूरे मनोयोग से जुटकर प्रतियोगिता के मैच सम्पन्न करवाए जा रहे है। संयोजक ने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने आई खिलाडियों एवं अन्य कार्मिकों के लिए भामाशाहो के सहयोग से मंगलवार की शाम को भोजन व्यवस्था त्रिनेत्र गणेश मंदिर ट्रस्ट की ओर से की गई। वहीं बुधवार को फलाहार का वितरण दिनेश कुमार मीना द्वारा किया गया। बुधवार की शाम को सभी की भोजन व्यवस्था केबीनेट मंत्री डॉ. किरोडी लाल मीना एवं उनके प्रतिनिधि पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष दीपक मीना एवं पूर्व उप सभापति राजेश गोयल की ओर से की गई। अन्य दिनों के लिए भी सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को पूरा किया गया है। ये हुए मुकाबलेः- बुधवार को खेले गए 17 वर्ष छात्रा नेटबॉल मुकाबलों में झुंझुनू ने सवाई माधोपुर को 15-0 से, चुरू ने चित्तोडगढ को 15-3 से हराया, जैसलमेर ने सलूम्बर को 7-0 से, पाली ने बूंदी को 9-1 से, गंगानगर ने डूंगरपुर को 22-0 से पराजित किया। इसी प्रकार डीडवाना ने कुचामन को 18-0 से, भीलवाडा ने टौंक को 19-4 से , जालौर ने कोटपुतली बहरोड को 9-1 से, हनुमानगढ ने झुंझुनू को 12-7 से, सिरोही ने सवाईमाधोपुर को 11-0 से, नागौर ने बूंदी को 15-2 से, सीकर ने ब्यावर को 18-0 से, उदयपुर ने बालोतरा को 6-1 से, बाडमेर ने झालावाड को 18-1 से, अलवर ने बीकानेर को 7-3 से, जयपुर ने बांरा को 14-2 से, अजमेर ने राजसमंद को 10-7 अंको से पराजित कर लीग मैच में बढत बनाई। इसी प्रकार 19 वर्षीय मुकाबलों में हनुमानगढ ने सिरोही को 15-0 से, जयपुर ने बूंदी को 13-4 से, फलोदी ने खैरथल तिजारा को 15-2 से, बाडमेर ने डीडवाना कुचामन को 10-6 से, बीकानेर ने डूंगरपुर को 14-0 से, गंगानगर ने सीकर को 12-3 से, अलवर ने झालावाड को 15-0 से, करौली ने डीग को 2-0 से, टोंक ने बांरा को 12-1 से, चुरू ने जालौर को 16-2 से पराजित किया। इसी प्रकार पाली ने जोधपुर को 10-6 से, हनुमानगढ ने करौली को 13-0 से, उदयपुर ने नागौर को 8-7 से, डीडवाना कुचामन ने डूंगरपुर को 12-1 से, अजमेर ने दौसा को 10-1 से, जैसलमेर ने भरतपुर को 9-6 से, झुंझुनू ने बांसवाडा को 18-1 से, भीलवाडा ने अजमेर को 21-4 से, बीकानेर ने बाडमेर को 9-6 से पराजित किया।

रोटरी क्लब बाराँ ने किया गरबा का आयोजन

बारां (रॉयल पत्रिका)। रोटरी क्लब बारां द्वारा ग्लोबल पब्लिक स्कूल के साथ भव्य गरबा का आयोजन स्कूल प्रांगण मे किया गया। क्लब सचिव महेश तिवारी ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारम्भ रोटरी क्लब के अध्यक्ष सूर्यप्रकाश विजय स्कूल के संचालक गौरव गर्ग द्वारा दीप प्रजवलन कर किया गया। दुर्गा माँ कि स्तुति के पश्चात् बच्चों ने रंगबिरंगी वेशभूषा मे मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किया साथ ही रोटरी सदस्यों द्वारा भी मनमोहक प्रस्तुति दी गई, जिसमे बेस्ट कपल डांस विजेता सतीश विजय विनीता विजय रहे, बेस्ट फिमेल डांस की विजेता दिव्या जैन रही, बेस्ट ड्रेस विजेता अनीता सेठी रही। कार्यक्रम मे धीरज तिवारी, राजेन्द्र मित्तल, आदित्य जैन, पंकज मारु, जितेन्द्र अग्रवाल, विकास जैन, राकेश सेठी, त्रिवेश बरदानीयां, कल्पना विजय, भावना बरदानियां, चेतन शर्मा, हेमलता गुप्ता, राधा मित्तल, अंजू मारू, त्रिशला जैन सहित कई रोटरी सदस्यों ने सपरिवार भाग लिया। कार्यक्रम के अन्त मे विजेता प्रतियोगियों को रोटरी क्लब अध्यक्ष व सचिव द्वारा पुस्कार वितरित किये गए। कार्यक्रम के अंत में धीरज तिवारी द्वारा ग्लोबल स्कूल व रोटेरियन साथियों को धन्यवाद दिया।

मतदाता सूचियों का अन्तिम प्रकाशन

बारां (रॉयल पत्रिका)। निर्वाचन विभाग राजस्थान जयपुर के निर्देशानुसार बुधवार को आगामी उप चुनाव के दृष्टिगत विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 193 अंता में अर्हता 1 जुलाई 2025 के संदर्भ में मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत मतदाता सूचियों के अन्तिम प्रकाशन 1 अक्टूबर 2025 के संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी रोहिताश्व सिंह तोमर की अध्यक्षता में बैठक आहूत की गई। जिसमें राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि व मीडिया कर्मी भी मौजूद रहे। बैठक में अर्हता 1 जुलाई 2025 के संदर्भ में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के बारे में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को जानकारी प्रदान की गई जिसके तहत बुधवार को मतदाता सूचियों का अन्तिम प्रकाशन किया गया। इस क्रम में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को मीडिया की उपस्थिति में मतदाता सूची की प्रति हार्ड कॉपी में एवं सॉफ्ट कॉपी सीडी एवं पेनड्राइव में उपलब्ध करवाई जाकर प्राप्ति रसीद प्राप्त की गई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बैठक में बताया कि मतदाता सूचियों के प्रारूप प्रकाशन के समय विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र अन्ता में कुल 226227 मतदाता थे। जिसमें 115982 पुरूष मतदाता, 110241 महिला मतदाता एवं 4 अन्य मतदाता थे। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की तिथियों के तहत प्रारूप प्रकाशन के पश्चात् 3 से 17 सितंबर 2025 तक दावे आपत्तियां प्राप्त की गई। सभी प्राप्त दावे व आपत्तियों का निस्तारण 25 सितम्बर, 2025 तक किया गया। 1अक्टूबर 2025 को मतदाता सूची के अन्तिम प्रकाशन के अन्तर्गत अंता विधानसभा क्षेत्र में 116405 पुरूष, 111154 महिला एवं 4 अन्य मतदाता नामाकित हैं। इस प्रकार अन्तिम प्रकाशन के समय विधानसभा क्षेत्र अन्ता में 227563 मतदाता पंजीकृत है। मतदाता सूचियों के मतदाताओं के संबंध में तथा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी नवीनतम दिशा-निर्देशों को मीडिया व राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को अवगत कराया गया।

दिव्यांग जनों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

चूरू (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय पर रॉयल विकलांग विकास संस्थान के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अख्तर खान रूकनखानी के नेतृत्व में दिव्यांग जनों ने जिला कलेक्टर महोदय को ज्ञापन सौंपा अख्तर खान रूकनखानी ने बताया कि पिछले छः महीने से पालनहार योजना कि राशी का भुगतान नहीं हुआ पिछले दो महीने से पेंशन का भुगतान नहीं हुआ नरेगा में तीन महीने से दिव्यांग जनों का भुगतान बकाया पड़ा है व स्कुटी वितरण से पहले दिव्यांग प्रमाण पत्र कि मेडिकल बोर्ड से जांच कराई जाए व रोजगार स्पथ पत्र कि भी जांच कराई जाए ज्ञापन देने वालों में मिडिया प्रभारी सफिक कुरेशी, नबी अगवान,कालू मोहम्मद आदि उपस्थित रहे।

"अन्तराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस" पर वरिष्ठ मतदाताओं का किया सम्मान

-वयोवृद्ध मतदाताओं ने उत्साह पूर्वक लिया मतदान का संकल्प

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला निर्वाचन अधिकारी रोहिताश्व सिंह तोमर एवं सीईओ व नोडल अधिकारी स्वीप राजवीर सिंह चौधरी के निर्देशन में अन्तराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर वरिष्ठ मतदाता सम्मान समारोह का आयोजन अंता पंचायत समिति सभागार में किया गया। कार्यक्रम में तहसीलदार मंजूर अली दीवान एवं विकास अधिकारी राधेश्याम भील ने एक वोट की कीमत के बारे में बताया कि समृद्ध लोकतंत्र के लिए प्रत्येक वयस्क मतदाता को वोट डालना चाहिए। चुनाव आयोग मतदान केन्द्र पर मतदाताओं के लिए समस्त व्यवस्थाए करते है। स्वीप प्रभारी अमित भार्गव ने उपस्थित लोगो को मतदान का संकल्प कराते हुए वरिष्ठ मतदाताओं को मतदान दिवस पर मिलने वाली सुविधाओं यथा पिकअप एंड ड्रॉप, वॉलिंएंटर एवं व्हीलचेयर के बारे में बताया साथ ही निर्वाचन विभाग द्वारा 85 वर्ष से अधिक आयु के ऐसे मतदाता जो मतदान करने जाने में सक्षम नहीं है, उनके लिए मतदान दिवस से पूर्व घर पर ही होम वोटिंग द्वारा मतदान करने की सुविधा से परिचित कराया। इससे पहले कार्यक्रम में शतायुपार 105 वर्षीय फूली बाई लुहार को माला, शाल व सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। शेष मतदाताओ का माला पहनाकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में एसजेडीएस के जिला अधिकारी शुभम नागर व स्वीप सदस्य रामचरण मीणा, बीएलओ व वृद्धजन उपस्थित रहे।

सालासर पैदल यात्रियों के लिए विश्रामगृह एवं भंडारे का शुभारंभ फीता काट कर किया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर गोयल सती दादी जी परिवार सेवा समिति द्वारा आयोजित सालासर पैदल यात्रियों के लिए महनसरिया मॉल में झरिया मोरी के पास भंडारे का शुभारंभ पूर्व विधायक हाजी मकबुल मंडेलिया एवं पूर्व सभापति गोविंद महनसरिया ने फिता काट कर किया इस अवसर पर मंडेलिया व महनसरिया ने कहा कि भंडारे में भोजन नाश्ता विश्राम स्नान एवं मेडिकल व्यवस्था व मोबाइल चार्ज सहित सारी व्यवस्थाओं के लिए आयोजको को धन्यवाद देते हुए कहा कि ऐसा पुनीत कार्य जिस पर ईश्वर की मेहरबानी होती है वही करता है इस अवसर पर सैकड़ो जन उपस्थित थे।

डोटासरा के जन्मदिवस के अवसर पर कांग्रेस की ओर से चूरू में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के जन्मदिवस के अवसर पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया के निर्देशानुसार चूरू शहर एवं देहात ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की ओर से मंडेलिया हाउस में केक काटकर गोविन्द सिंह डोटासरा का जन्म दिवस मनाया गया एवं गोविन्द सिंह डोटासरा के उज्ज्वल भविष्य एवं दीर्घायु की कामना की गई तथा इसके उपरान्त झुग्गी झोंपडी में मिठाई वितरण, आपणी पाठशाला में भोजन का कार्यक्रम तथा उसके उपरान्त वार्ड नम्बर 8 स्कूल में बच्चों को स्टेशनरी वितरण, राजकीय डेडराज भरतीया अस्पताल चूरू में फल वितरण तथा हनुमानगढी गौशाला में गायों को गुड व चारा खिलाकर गोविन्द सिंह डोटासरा का जन्मदिवस मनाया गया। चूरू शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय मंडेलिया हाउस चूरू में केक काटने के पश्चात पीसीसी सचिव रियाजत खान, निवर्तमान सभापति पायल सैनी, चूरू शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर, देहात ब्लॉक अध्यक्ष किशोर धान्धू, किसान नेता आदूराम न्यौल, वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोहम्मद हुसैन निर्माण, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष अबरार खां, रमजान खां, रामानन्द न्यौल, विधाधर मेघवाल, नारायण बालाण, आदि ने गोविन्द सिंह डोटासरा के जीवन पर प्रकाश डालते हुए अपने विचार व्यक्त कियें। इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन चूरू जिला उपाध्यक्ष जमील चौहान ने किया। इस अवसर पर शिवकुमार शर्मा, अली मोहम्मद भाटी, विमल शर्मा, हमीद रिसालदार, निरज शर्मा, हेमन्त सिहाग, असलम खां मोयल, किशानाराम बाबल, सोयल डीके, धिरेन्द्र खण्डवा, संजय भाटी, विनोद खटीक, जाफर खां जोईया, राजीव बहड, तोफिक खान पार्षद, दिपिका सोनी, बालीबाई, मोहनलाल टेलर, अजीज खान दिलावरखानी, बजरंग बजाड, साहिल खान, रामेश्वर नायक, इस्माईल भाटी, श्रवण बसेर, तोफिक एनएसयुआई, महावीर झाझडिया, आबिद जाबासरिया, राधेश्याम मेघवाल, अनीस खां, राजेश खिचड, सिराज खां जोईया, डूंगरसिंह राठौड, मुस्ताक पिथिसर, काजी मोहम्मद अब्बास, आमीन खां, सदीक लीलगर, बुन्द लुहार, मुलचंद मेघवाल, आरिफ रिसालदार, तारिख नागौरी, अनिस खान, जितेन्द्र शर्मा, लोकेश सैनी, सलीम, आसिफ निर्बाण, बाबू मंत्री, नवाब खां हवलदार, युनस खां जोजो, नवाब खां, सहित सैकडो कांग्रेस कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजुद रहें।

इनरव्हील क्लब द्वारा वृद्धजनों का सम्मान समारोह आयोजित

बारां (रॉयल पत्रिका) । वृद्धजन दिवस के अवसर पर इनरव्हील क्लब द्वारा एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के सम्मानित वृद्धजनों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन क्लब की अध्यक्षा नीतु गुप्ता के सानिध्य में किया गया। इस अवसर पर अध्यक्षा नीतु गुप्ता ने कहा कि वृद्धजन हमारे जीवन की धरोहर हैं। उनके अनुभव, संस्कार और मार्गदर्शन ही नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उन्होंने आगे कहा कि जिस तरह एक वृक्ष अपनी जड़ों से शक्ति पाता है, उसी प्रकार परिवार और समाज वृद्धजनों से संस्कार और स्थिरता पाता है। कार्यक्रम में वृद्धजनों को रोली तिलक लगाकर व माला पहना कर पौष्टिक आहार के रूप में फ्रूट्स व भोजन के पैकेट भी दिए उपहार प्रदान कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया गया। उपस्थित सदस्यों ने भी वृद्धजनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए यह संदेश दिया कि उनकी सेवा और देखभाल करना हर किसी का कर्तव्य है। वृद्धजनों ने अपनी प्रतिभा भी दिखाई किसी ने कविता किसी ने पुराने गानों से समा बाधा। इनरव्हील क्लब की अन्य सदस्याओं ने भी अपने विचार रखते हुए वृद्धजनों के अनुभवों और योगदान को समाज की अमूल्य पूँजी बताया। ललिता टोंगिया, मृदुला मारू, मंजू बंसल, दिव्या जैन, शिल्पा अग्रवाल, आराधना ओझा आदि उपस्थित रही।

डॉ. सुमित गर्ग को अलवर जिले के पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी मिली

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। संगठन सृजन अभियान के तहत AICC द्वारा अलवर जिले का पीसीसी पर्यवेक्षक नियुक्ति करने पर डॉ. सुमित गर्ग ने शीर्ष नेतृत्व कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़के, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर रंधावा, प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासर का हार्दिक आभार व धन्यवाद वक्त किया। साथ उन्होंने पार्टी की तरफ से मिली जिम्मेदार को पूर्ण रूप से निभाने का भरोसा जताया।

अस्पताल आने वाले मरीजों को मिलेगी सुगम सड़क विधानसभा अध्यक्ष ने किया सड़क निर्माण कार्यों का शुभारम्भ

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। संभाग के सबसे बड़े राजकीय जवाहर लाल नेहरू अस्पताल आने वाले मरीजों को अब सुगम सड़क मिलेगी। बारिश के कारण सड़क काफी क्षतिग्रस्त हो गई थी। अब 36 लाख रूपए की लागत से सड़क का निर्माण किया जा रहा है। रुपए की लागत से बनने वाली सड़क तथा जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय वाया आपातकालीन तक 16 लाख रूपए की लागत से बनने वाली सड़क के निर्माण कार्यों का शुभारम्भ किया। वर्षा से ये सड़के क्षतिग्रस्त हो गई थी। इन दोनों सड़कों का निर्माण सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा करवाया जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि अजमेर में सड़क के नवीनीकरण के लगातार प्रयास किए जा रहे है। डेढ़ वर्ष में करोड़ों रूपए की सड़को के निर्माण कार्य शुरू हुए है। इसी प्रकार नालों के लिए भी लगभग 56 करोड़ के व्यय से निर्माण कार्य चल रहे है। उन्होंने कहा कि इन सड़कों के निर्माण से राहगीरों एवं मरीजों को सुगम यातायात सुविधा उपलब्ध होगी और क्षेत्र का समग्र विकास सुनिश्चित होगा। उन्होंने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को गुणवत्ता और समयबद्धता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि नगर निगम कार्यालय पुरानी मंडी का सदुपयोग करने के लिए वहां तीन मंजिला लाइब्रेरी का 6 करोड़ रुपये की लगत से निर्माण किया जाएगा। अजमेर में आईटी पार्क के निर्माण से शहर के युवा को रोजगार के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। पार्क के विकास के लिए करोड़ों रुपए से सड़को एवं आधारभूत सुविधाओं का विकास रीको के माध्यम से किया जा रहा है। इसी प्रकार पर्यावरणीय पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए लेपर्ड सफारी का निर्माण भी किया जा रहा है। बेहतर चिकित्सा सुविधाओं सुनिश्चित करने के लिए जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय में स्पीकर हेल्प डेस्क संचालित की जा रही है। इसके द्वारा हजारों मरीजों को इलाज समय पर उपलब्ध कराया जा रहा है। सबके साथ से स्मार्ट एवं श्रेष्ठ अजमेर का विकास किया जाएगा।

गाजर मंडी के रूप में माननीय मुख्यमंत्री ने किसानों को दी है महत्वपूर्ण सौगात- गुरवीर सिंह बराड़

-साधुवाली गाजर मंडी का सादुलशहर विधायक ने किया भूमि पूजन

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप साधुवाली स्थित गाजर मंडी का भूमि पूजन कार्यक्रम समारोहपूर्वक मंगलवार शाम को आयोजित हुआ। इस दौरान सादुलशहर विधायक गुरवीर सिंह बराड़ ने वैदिक मंत्र उच्चारण के बीच गाजर मंडी की भूमि का पूजन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गाजर उत्पादक किसान और ग्रामीण मौजूद रहे। गाजर मंडी भूमि पूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सादुलशहर विधायक ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गाजर मंडी के रूप में किसानों को बड़ी सौगात दी है। बजट घोषणा के अनुरूप माननीय मुख्यमंत्री ने गाजर मंडी की स्थापना के लिए न केवल भूमि आवंटित की बल्कि निर्माण के लिए भी 20 करोड रुपए की राशि स्वीकृत की है। इस राशि से कृषि विपणन बोर्ड द्वारा गाजर मंडी का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने आश्वस्त किया कि आगामी सीजन तक गाजर मंडी अस्तित्व में आ जाएगी। पूर्व मंत्री स्वर्गीय गुरजंट सिंह बराड़ को याद करते हुए सादुलशहर विधायक ने कहा कि वे 2017 से गाजर मंडी के लिए प्रयासरत थे, लेकिन किन्हीं कारणों से ये प्रयास सिरे नहीं चढ़ पाए। माननीय मुख्यमंत्री ने गाजर मंडी की स्थापना को मंजूरी देकर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दी है। माननीय मुख्यमंत्री और राज्य सरकार को किसान हितैषी बताते हुए बराड़ ने कहा कि उन्होंने पिछले दोनों बजट घोषणाओं में किसानों के लिए बहुत सौगातें दी हैं। नहरी पानी की उपलब्धता के साथ-साथ नहर सुदृढ़ीकरण के लिए भी करोड़ों रुपए का प्रावधान किया गया है। गाजर मंडी के भूमि पूजन कार्यक्रम को ऐतिहासिक पल बताते हुए बराड़ ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री द्वारा फ़िरोजपुर फीडर निर्माण, गंग कैनाल, सैनिक स्कूल निर्माण सहित विभिन्न बजट घोषणाओं में गंगानगर और हनुमानगढ़ जिलों को 1000 करोड रुपए से अधिक की सौगात दी है। कार्यक्रम में सादुलशहर विधायक को किसानों और ग्रामीणों द्वारा हल भेंट कर सम्मानित किया गया।

जिलेभर के शतायु मतदाताओं का हुआ सम्मान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजस्थान— जयपुर तथा जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक सुराणा के निर्देशानुसार अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर बुधवार को जिलेभर के लोकतंत्र की अवधारणा को सुदृढ़ करने वाले शतायु मतदाताओं को सम्मानित किया गया।चूरू विधानसभा क्षेत्र निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी सुनील कुमार ने ढाणी डीएसपुरा में मनकोरी, मनभरी तथा सहनाली छोटी की पार्वती को सम्मानित किया। इसी क्रम में सादुलपुर विधानसभा क्षेत्र के तांबाखेड़ी के किशन लाल पूनिया व सांखू की कुनणी देवी, सुजानगढ़ विधानसभा क्षेत्र के सडू बड़ी की बाली, बम्बू के पेमाराम व बीदासर शहर की लाडा एवं रतनगढ़ विधानसभा क्षेत्र से गुलेरिया की अनोप कंवर को घर जाकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी का प्रशंसा पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान संबंधित बीएलओ ने वृद्धजनों के लिए निर्वाचन गतिविधियों में दी जा रही विशेष सुविधाओं की जानकारी दी। इसी के साथ बुजुर्ग मतदाताओं के लिए होम वोटिंग, व्हील चेयर व मतदान केंद्र पर अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी दी गई।

दिव्यांग लाभार्थी उपकरणों का सही उपयोग कर शिक्षा और रोजगार की दिशा में आगे बढ़ें- जिला कलक्टर

-सेवा पखवाड़े के अंतर्गत दिव्यांगजनों को वितरित किए हियरिंग एड उपकरण

धोलपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार आयोजित सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत मंगलवार को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा श्रवण बाधित श्रेणी के दिव्यांगजनों को हियरिंग एड उपकरण वितरित किए गए। जिला मुख्यालय पर जिला कलक्टर श्रीनिधि बीटी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में मयूरी विशेष विद्यालय के 30 श्रवण बाधित दिव्यांगजनों को हियरिंग एड उपकरण उपलब्ध कराए गए। इस अवसर पर जिला कलक्टर ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। इन्हें मुख्यधारा से जोड़ने के लिए सरकार अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। दिव्यांगजन समाज की धरोहर हैं। इन्हें सशक्त करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग को समान अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार कार्य कर रही है। दिव्यांग जनों के पुनर्वास और उन्हें आत्मनिर्भरता बनाने हेतु हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने लाभार्थियों से उपकरणों का सही उपयोग कर शिक्षा, रोजगार और स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जिले में समर्थ धौलपुर अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत जिले के उपखंड और ग्राम स्तर पर शिविर आयोजित किए गए, ताकि हर पात्र लाभार्थी तक योजना का लाभ समय पर पहुँच सके। कार्यक्रम में धौलपुर विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी शिवचरण कुशवाह, भाजपा प्रत्याशी राजाखेड़ा नीरजा शर्मा, पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा सत्येंद्र पाराशर, सयुक्त निदेशक सूचना प्रौद्योगिकी बलभद्र सिंह, जिला श्रम कल्याण अधिकारी हसीना बानो, जिला परिवीक्षा एवं समाज कल्याण अधिकारी देवेंद्र सिंह जांगल सहित विभागीय अधिकारी एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

सेवा पखवाड़ा के तहत विशेष योग्यजन विद्यार्थियों में वितरित किए सहायक उपकरण

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। सेवा पखवाड़ा-2025 के तहत मंगलवार को ब्यावर के जैतारण में माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के आतिथ्य में राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित हुआ। वीसी के माध्यम से कार्यक्रम का लाइव प्रसारण जिला कलेक्ट्रेट में किया गया। इस अवसर पर जिला कलक्टर डॉ. मंजू और गंगानगर विधायक जयदीप बिहाणी द्वारा विशेष योग्यजन विद्यार्थियों में सहायक उपकरण वितरित किए गए। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से वितरित सहायक उपकरणों की जानकारी देते हुए अतिथियों ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार समाज के सभी वर्गों के साथ-साथ विशेष योग्यजनों के कल्याण के लिए भी प्रतिबद्ध है। सहायक उपकरणों की सहायता से विशेष योग्यजन विद्यार्थियों को पढ़ने और खेलने में सुविधा होगी। राज्य स्तरीय कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री द्वारा विशेष योग्यजनों में स्कूटी एवं उपकरण वितरण, निर्माण श्रमिकों को राशि हस्तांतरण के साथ-साथ विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण भी किया गया। इस अवसर पर एडीएम प्रशासन सुभाष कुमार, शरणपाल सिंह मान, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक वीरेंद्र सिंह, पीडब्ल्यूडी एसई भीमसेन स्वामी, जिला परिषद के एसीईओ हरिराम चौहान, महिला अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक विजय कुमार, प्रदीप धेरड़, आशुतोष गुप्ता, शिवप्रकाश तेहरपुरिया सहित अन्य मौजूद रहे।

कार्यकर्ता ही पार्टी की रीढ़ हैं- सत्यनारायण सैनी

-पीपल्स ग्रीन पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने सरदारशहर में की बैठक

चूरू रॉयल पत्रिका)। पीपल्स ग्रीन पार्टी राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष सत्यनारायण सैनी ने कहा है कि कार्यकर्ता ही पार्टी की रीढ़ हैं। सैनी आज राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुधांशु के निर्देशानुसार चूरू लोकसभा की सरदारशहर विधानसभा क्षेत्र में पार्टी की बैठक में कार्यकर्ताओं को संबंधित कर रहे थे। प्रदेश अध्यक्ष सत्यनारायण सैनी ने पदाधिकारियों से कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुधांशु के निर्देशानुसार सभी लोक सभाओं में वार्ड/ग्राम पंचायत स्तर पर सीडब्ल्यूसी गठन पर काम करें। सैनी ने इस दौरान कार्यकर्ताओं को आवश्यक निर्देश प्रदान किए। बैठक में ओम सैनी, शेखर सैनी, राजेश सैनी, प्रताप, प्रकाश, बालकिशन, भरत, प्रशांत, बाबूलाल आदि सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

शक्ति, अध्यात्म, श्रद्धा और संस्कृति का स्वरूप हैं देवियां- देवनानी

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। दुर्गाष्टमी के पावन अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अजमेर शहर एवं आसपास स्थित नौ देवियों के मंदिरों के दर्शन कर प्रदेश और नगरवासियों की सुख-शांति एवं खुशहाली की मंगलकामना की। देवनानी ने इस अवसर पर वरूण सागर रोड स्थित चामुंडा माता मंदिर, पुष्कर रोड स्थित नौसर माता मंदिर, भक्ति धाम स्थित माताजी मंदिर, नगीना बाग स्थित जत्तोई दरबार, बजरंगगढ़ स्थित अंबे माता मंदिर, चांद बावड़ी स्थित काली माता मंदिर, रामगंज स्थित काली माता मंदिर, आनासागर पुलिस चौकी के सामने स्थित चामुंडा माताजी मंदिर तथा वरूण सागर रोड स्थित काली माता मंदिर में दर्शन कर पूजा अर्चना की। देवनानी ने कहा कि भारतीय सनातन संस्कृति में नवरात्रि का विशेष महत्व है। नौ देवियां शक्ति, अध्यात्म, श्रद्धा और संस्कृति की प्रतीक है। हमें अपने जीवन में मां के इस नौ स्वरूपों को आत्मसात कर प्रेरणा लेनी चाहिए। नौ दिनों से हम जीवन को एक नए स्वरूप में जानते हैं। प्रत्येक सनातनी को अपने जीवन में उन्नति के लिए शक्ति स्वरूपा मां से प्रेरणा लेनी चाहिए।

सेवा पखवाड़ा में हस्तशिल्प एवं खादी प्रदर्शनी का आग़ाज़

- स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए "वोकल फॉर लोकल" पहल

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। सेवा पखवाड़ा के अन्तर्गत जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र तथा राजस्थान खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में हस्तशिल्प एवं खादी प्रदर्शनी का आयोजन मिनी उद्योग भवन परिसर, न्यू पावर हाउस रोड, जोधपुर में किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन लघु उद्योग भारती के प्रान्तीय अध्यक्ष महावीर चौपड़ा ने महासचिव सुरेश कुमार विष्णोई की उपस्थिति में किया। इस अवसर पर पंकज भण्डारी, दीपक माथुर, श्री राकेश चोरडिया सहित अनेक वरिष्ठ उद्यमी उपस्थित रहे।

स्थानीय कला और उत्पाद बने आकर्षण का केन्द्र-

प्रदर्शनी में सिंधी एम्ब्रॉयडरी, पेच वर्क, सालावास दरी, जोधपुरी बंधेज, जोधपुरी मोजड़ी, विभिन्न चर्म उत्पादों के साथ-साथ खादी और ग्रामोद्योग से जुड़े उत्पाद आकर्षण का केन्द्र बने हुए हैं। यह आयोजन 28 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2025 तक चलेगा।

नागरिकों से प्रदर्शनी में पहुँचने का आह्वान-

महाप्रबंधक, जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र, एस.एल. पालीवाल ने जोधपुरवासियों से अपील की कि वे प्रदर्शनी का अवलोकन करें और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा दें।

'वोकल फॉर लोकल' अभियान की दिशा में अहम कदम-

यह आयोजन 'वोकल फॉर लोकल' अभियान की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसमें न केवल विविध हस्तशिल्प और खादी उत्पादों का प्रदर्शन किया जा रहा है, बल्कि नागरिकों को सीधे दस्तकारों और कारीगरों से संवाद व क्रय का अवसर भी उपलब्ध हो रहा है।

दीपावली से पहले क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत के साथ नियमित करवाएं साफ-सफाई

-साप्ताहिक समीक्षा बैठक में जिला कलक्टर ने दिए निर्देश

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। जिला स्तरीय अधिकारियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक सोमवार को जिला कलक्टर डॉ. मंजू की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। इस दौरान जिला कलक्टर ने कहा कि दीपावली से पूर्व क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत करवाते हुए नियमित रूप से साफ-सफाई करवाई जाये। स्ट्रीट लाइट सहित सड़कों की सफाई भी समुचित रूप से होनी चाहिए। बैठक में जिला परिषद की ओर से ग्रामीण सेवा शिविर के तहत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण और स्वामित्व योजना सहित विभिन्न योजनाओं का लाभ पात्र को देना सुनिश्चित करें। विश्वकर्मा पेंशन योजना में अधिकाधिक रजिस्ट्रेशन कर प्रगति बढ़ाने, ढीली तारों की मरम्मत करवाते हुए विधुत समस्याओं का निस्तारण करने के निर्देश देते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि शिविरों के माध्यम से अधिकारी विभागीय योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाएं। पशुओं में टीकाकरण, मंगला पशु बीमा योजना पॉलिसी का वितरण, मिनीकिट वितरण, पालनहार और सामाजिक सुरक्षा पेंशन का सत्यापन शत-प्रतिशत करने, स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ छोड़ने के लिए प्रेरित करने, एनएफएसए के लंबित प्रकरणों का समुचित निस्तारण करने के निर्देश देते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि रसद विभाग की ओर से खाद्य सुरक्षा योजना में ई-केवाईसी पूर्ण करवाई जाए। बैठक में जिला कलक्टर ने कहा कि दीपावली से पूर्व क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत करवाते हुए नियमित रूप से साफ-सफाई करवाई जाये। नगरपरिषद और नगर विकास न्यास अधिकारियों को अपने अधीनस्थ क्षेत्रों में स्ट्रीट लाइट सहित सड़कों की सफाई भी समुचित रूप से करवाने के निर्देश देते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि नगर निकायों द्वारा भी त्योहार के मद्देनजर आवश्यक साफ-सफाई-रोशनी की व्यवस्था की जाये। सीवरेज और पेयजल संबंधी कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने आरयूआईडीपी द्वारा करवाये जा रहे कार्यों को गुणवत्तापूर्वक जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिये।

सेवा पखवाड़े में दिव्यांगजन को स्कूटी एवं अंग उपकरण किए गए वितरित

-दिव्यांगों का सहारा बने विधानसभा अध्यक्ष सेवा पखवाड़ा बना संवेदना और संबल का प्रतीक- देवनानी

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। दिव्यांगों का सहारा बने विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी। सेवा पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में दिव्यांगजनो को स्कूटी एवं सुनने में सहायक उपकरण वितरित कर उन्हें आत्मनिर्भरता और नई आशा की राह दिखाई। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के तत्वावधान में मंगलवार को विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के मुख्य आतिथ्य में मूक-बधिर विद्यालय में दिव्यांगजन को स्कूटी एवं सहायक उपकरण वितरित किए गए। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि सेवा पखवाड़े के अंतर्गत यह आयोजन केवल उपकरण वितरण भर नहीं है बल्कि यह दिव्यांगजनों के सपनों को पंख देने का एक प्रयास है। उन्होंने कहा कि जीवन एक रणभूमि है। इसमें सभी को संघर्ष कर आगे बढ़ना पड़ता है। प्रधानमंत्री ने दिव्यांग शब्द देकर इन बच्चों की दिव्यता को सम्मान दिया है।सेवा ही सच्चा धर्म है। महात्मा गांधी के जन्मदिन तक सेवा पखवाड़े के दौरान अनेक सेवा गतिविधियां संचालित की जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भी सेवा भाव को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहे हैं। कान की मशीन की सहायता से अब बच्चे पक्षियों की चहक, माँ की लोरी और मित्रों की ठिठोली सुन सकेंगे। यह उपकरण उनके जीवन में आशा की नई किरण जगाएँगे। लोकोमोटिव डिसऑर्डर से पीड़ित लाभार्थियों को स्कूटी उपलब्ध कराकर आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर किया जा रहा है। स्कूटी से दिव्यांगजन को आजीविका में सहायता मिलेगी और गति मिलेगी। शिक्षकों और अभिभावकों की भूमिका इन्हें नए जीवन की राह दिखाने में निर्णायक सिद्ध होगी। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक जयप्रकाश ने कहा कि प्रधानमंत्री के निर्देशानुसार सेवा पखवाड़े के तहत वंचितों की सहायता कर देश को विकसित भारत बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

स्वस्थ नारी—सशक्त परिवार अभियान की समीक्षा बैठक आयोजित

डेढ़ लाख लाभार्थियों की एनसीडी, हिमोग्लोबिन स्क्रीनिंग का लक्ष्य करे पूरा - डॉ. मीणा

धोलपुर (रॉयल पत्रिका)। स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. धर्मसिंह मीणा की अध्यक्षता में किया गया। बैठक के दौरान शिविर में दी जा रही सेवाओं को प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान बच्चों, महिलाओं एवं किशोरियों के स्वास्थ्य और पोषण संबंधी कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। सीएमएचओ डॉ. मीणा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र और शिविर में महिलाओं की हीमोग्लोबिन जांच तथा 30 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति की एनसीडी जांच सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि एनीमिया महिलाओं के स्वास्थ्य की सबसे बड़ी समस्या है और इसके समाधान के लिए नियमित जांच, आयरन एवं फोलिक एसिड की खुराक और पौष्टिक आहार आवश्यक है। डॉ. मीणा ने कहा कि स्वस्थ नारी ही सशक्त परिवार और सशक्त समाज की आधारशिला है। महिलाओं के स्वास्थ्य की अनदेखी समाज के भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। उन्होंने सभी चिकित्सा अधिकारी और नर्सिंग कार्मिक और जमीनी स्तर के स्वास्थ्य कार्यकर्ता बुधवार को आयोजित विशेष अभियान में निर्धारित 1लाख 50 हजार लाभार्थियों के लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ चेतराम मीणा, अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.गौरव मीणा, जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शिव कुमार शर्मा, डीपीओ शशांक वशिष्ठ सहित समस्त खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी, चिकित्सा अधिकारी प्रभारी मौजूद रहें।

जोधपुर में पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव

-हनुमानगढ़ के उद्यमियों को मिलेगा सुनहरा मौका

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र तथा लघु उद्योग भारती के संयुक्त तत्वावधान में पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव-2026 का आयोजन 25 दिसंबर, 2025 से 4 जनवरी, 2026 तक जोधपुर के रावण का चबूतरा मैदान में किया जाएगा। वर्ष 1991 से निरंतर आयोजित हो रहा यह उत्सव देशभर के शिल्पकारों, उद्यमियों और उद्योग जगत के लिए एक विश्वसनीय मंच बन चुका है। हर साल यहां 600 से अधिक स्टॉल सजते हैं और 10 लाख से ज्यादा आगंतुकों की उपस्थिति से यह मेला पश्चिम भारत के प्रमुख आयोजनों में गिना जाता है।

'ऑपरेशन सिंदूर' थीम के साथ होगा आयोजन-

इस वर्ष मेले की थीम ऑपरेशन सिंदूर रखी गई है, जो राष्ट्र की आत्मनिर्भरता और नवाचार की भावना को रेखांकित करेगी। आयोजन में ओडीओपी (वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट) पवेलियन विशेष आकर्षण रहेगा, जहां राजस्थान के सभी जिलों के सर्वश्रेष्ठ एवं प्रतिष्ठित उत्पादों को प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा। हनुमानगढ़ जिले की ओडीओपी इकाइयों के लिए यह मेला अपने उत्पादों की मार्केटिंग और नए बाजारों तक पहुंच बनाने का बड़ा अवसर लेकर आ रहा है।

उद्यमियों को मिलेगी वित्तीय सहायता-

हनुमानगढ़ जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र महाप्रबंधक आकाशदीप सिद्द ने बताया कि राजस्थान की एक जिला-एक उत्पाद नीति 2024 के अंतर्गत राज्य से बाहर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मेलों/प्रदर्शनियों में भाग लेने वाले उद्यमियों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। नीति के तहत एक वित्तीय वर्ष में अधिकतम दो बार स्टॉल किराये का 75 प्रतिशत या अधिकतम 1.50 लाख रुपये तक अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही, दो व्यक्तियों को बस या एसी क्लास का वास्तविक किराया भी प्रतिपूर्ति किया जाएगा।

महाकाली से सामने आया अक्षय का फर्स्ट लुक

मुंबई। हनुमान फिल्म के निर्देशक प्रशांत वर्मा एक बार फिर पौराणिक कथाओं पर आधारित एक नई फिल्म लेकर आ रहे हैं। फिल्म का नाम है महाकाली। अब फिल्म महाकाली से अभिनेता अक्षय खन्ना का फर्स्ट लुक सामने आया है। शुक्राचार्य के लुक में अक्षय खन्ना काफी खतरनाक अंदाज में नजर आ रहे हैं। पोस्टर में उनके चारों ओर अंधेरा है। शुक्राचार्य के लुक में अक्षय सफेद रंग के बड़े बालों और बड़ी दाढ़ी में नजर आ रहे हैं। उनके सिर पर ऋषियों की तरह जूड़ा भी बंधा हुआ है। उनकी एक आंख पूरी तरह से सफेद नजर आ रही है। शुक्राचार्य के लुक में अक्षय को पहचानना पूरी तरह से मुश्किल लग रहा है।

लाइफ Style

हुमा
अरेंज मैरिज और प्यार के बीच फंसी

हुमा कुरैशी, श्रेयस तलपड़े और सनी सिंह की कॉमेडी-ड्रामा फिल्म सिंगल सलमा का ट्रेलर मंगलवार को रिलीज हो गया है। शादी को केंद्र में रखते हुए सिंगल सलमा एक ट्रैंगल कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है। ट्रेलर में भरपूर कॉमेडी और ड्रामा देखने को मिल रहा है।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

2 मिनट 16 सेकंड के इस ट्रेलर की शुरुआत एक वॉइस ओवर और लखनऊ के रूमी दरवाजा के साथ होती है। इस वॉइस ओवर में कहा जाता है, 'हिंदुस्तान में कॅरियर और सक्सेस चाहे जितना कमा लीजिए, असली प्रमोशन सिर्फ एक चीज में है अब शादी कर लो।' इसके बाद ट्रेलर में एंट्री होती है कुंवारी सलमा यानी हुमा कुरैशी की। फिर शुरू होता है सलमा की शादी कराने का प्रयास। एक-एक करके किरदार और कैंडिडेट आते जाते हैं। इसी दौरान ट्रेलर में कॉमेडी होती रहती है। इसके बाद ट्रेलर में एंट्री होती है श्रेयस तलपड़े की, जो एक सीधे-सादे सलमा की ही उम्र के व्यक्ति बने हैं। जबकि दूसरी ओर हैं सनी सिंह, जो आजकल के जमाने के क्लब जाने वाले व्यक्ति हैं। इसके बाद सलमा, सिकंदर (श्रेयस तलपड़े) से अरेंज मैरिज करना चाहती है। लेकिन तभी उसका दिल मीत (सनी सिंह) के लिए भी धड़कने लगता है। बस यहीं से शुरु होता है सलमा की जिंदगी में कन्फ्यूजन। अब वो लखनऊ के रहने वाले सिकंदर से शादी करेगी या लंदन के रहने वाले मीत से, यह फिल्म देखने के बाद ही पता चलेगा। ट्रेलर में लखनऊ की झलक देखने को मिली है, जिससे पता चलता है कि फिल्म में भी लखनऊ भरपूर देखने को मिलेगा। ट्रेलर में कई जगह डबल मीनिंग जोक भी हैं।

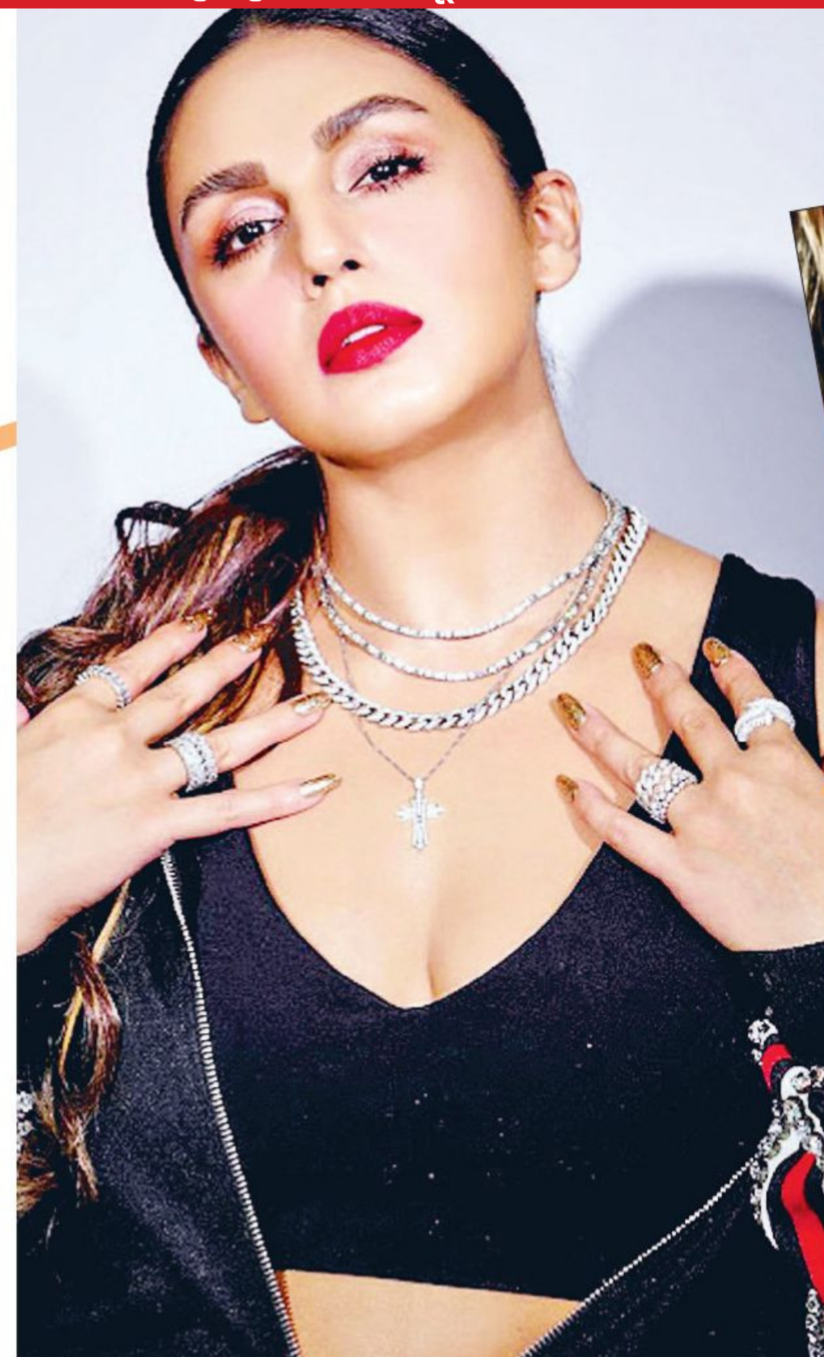

हॉलीवुड मसाला

टूट गई निकोल की दूसरी शादी

लॉस एंजिल्स। टॉम क्रूज की एक्स वाइफ निकोल किडमैन पर्सनल लाइफ के कारण चर्चा में हैं। उन्होंने साल 2006 में कीथ अर्बन से शादी की थी। इनके दो बच्चे हैं। पर शादी के 19 साल बाद इनका रिश्ता टूट गया है। दोनों सेपरेट हो गए हैं। निकोल इस शादी को बचाना चाहती थीं। पर लाख चाहने के बावजूद ये रिश्ता टूट गया। ऑस्कर विनर एक्ट्रेस निकोल और कंट्री म्यूजिक स्टार कीथ ने महीनों की अटकलों के बाद अलग होने का फैसला किया है।

ब्रिजर्टन 4 का पहला पोस्टर हुआ जारी

लॉस एंजिल्स। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स के इंस्टाग्राम हैंडल पर 'ब्रिजर्टन 4' का पहला पोस्टर शेयर किया गया है। साथ ही यह सीरीज कब दर्शकों को देखने को मिलेगी, इस बात से भी पर्दा उठ गया है। जानिए, 'ब्रिजर्टन 4' से जुड़ा यह नया अपडेट। नेटफ्लिक्स के इंस्टाग्राम हैंडल पर 'ब्रिजर्टन 4' का पोस्टर शेयर किया गया है। जिसमें एक लड़की मास्क हाथ में लिए खड़ी है। उसका चेहरा पूरा नजर नहीं आया है। इस पोस्टर के साथ कैप्शन लिखा गया है, 'तैयार हो जाइए, क्योंकि कुछ भी हो सकता है। 'ब्रिजर्टन सीजन 4' 2026 में शुरू होगा। 'ब्रिजर्टन वेब सीरीज राइटर जूलिया क्विन की बुक्स पर बेस्ड है। इसके अब तक तीन सीजन आ चुके हैं। एक सीजन में एक्ट्रेस सिमोन एश्ले भी नजर आईं। यह सीरीज एक ब्रिटिश राज परिवार के बारे में है।

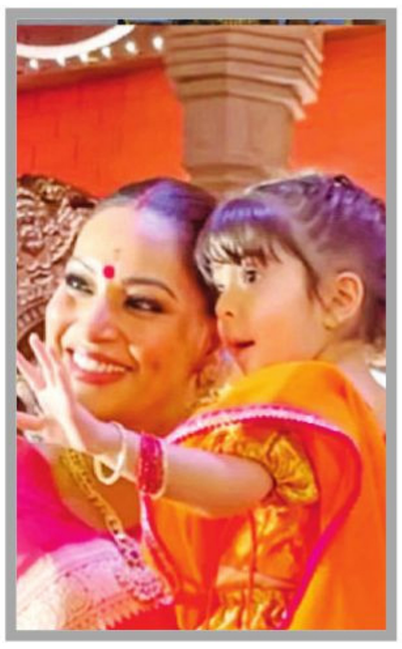

बेटी के साथ दुर्गा पंडाल में हुईं शामिल

मुंबई। दुर्गा अष्टमी के दिन अभिनेत्री बिपाशा बसु ने दुर्गा पूजा पंडाल में अपनी बेटी देवी और पति करण सिंह ग्रोवर के साथ जाकर मां दुर्गा का आशीर्वाद लिया। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर फैंस के बीच जमकर वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया हैंडल पर दुर्गा पांडाल के कई वीडियो सामने आ रहे हैं, जिनमें से एक एक वीडियो बिपाशा बसु और उनकी बेटी देवी का है। नॉर्थ बॉम्बे सर्बोजनीन दुर्गा पूजा पंडाल में बिपाशा अपने पति करण सिंह ग्रोवर और बेटी देवी के साथ दिखीं। इस दौरान बिपाशा ने पैपराजी को जमकर पोज दिए। इसके साथ ही बिपाशा ने वहां पर मौजूद सभी लोगों को शुभो अष्टमी की शुभकामनाएं दीं और सभी का शुक्रिया अदा किया। दुर्गा अष्टमी के दिन बिपाशा ने नारंगी और लाल रंगी की साड़ी, लंबे झुमके, स्लीक बन और लाल लिपस्टिक में खूबसूरत लुक अपनाया।

काजोल-ट्विंकल के शो में पहुंची आलिया

मुंबई। काजोल और ट्विंकल खन्ना द्वारा होस्ट किए जाने वाले शो 'टू मच' की शुरुआत हो चुकी है। इसमें कई सितारे मेहमान बनकर पहुंच रहे हैं। अब शो में वरुण धवन और आलिया भट्ट पहुंचने वाले हैं। इस दौरान अभिनेता ने कुछ मजेदार बातें की है। काजोल और ट्विंकल के आगामी एपिसोड में वरुण धवन और आलिया भट्ट नजर आएंगे, जिसका एक प्रोमो वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है। वीडियो की शुरुआत में वरुण धवन ने अपनी फिल्म 'मैं तेरा हीरो' का डायलॉग बोला। उन्होंने कहा, 'मैं दिखता हूं स्वीट एंड इनोसेंश स्वामी टाइप का, लेकिन मैं हूं बड़ा अजीब टाइप का।'इसके आगे आलिया को किसी बात पर जोर से हंसते हुए देखा जाता है। आगे प्रोमो में वो कहते हैं, एक फिल्म है, जिसे मैंने जब देखा तो पसंद नहीं आई थी।

टीवी मसाला

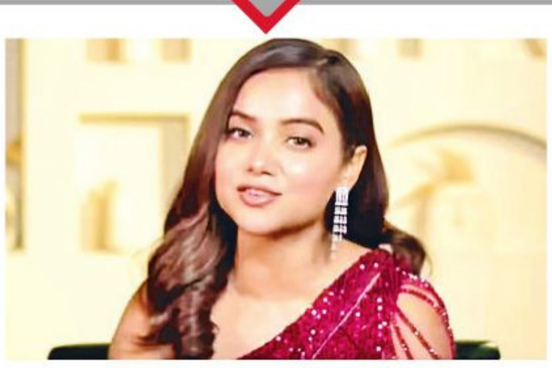

राइज एंड फॉल' में मनीषा रानी की वाइल्डकार्ड एंट्री

नई दिल्ली। ओटीटी पर अशनीर ग्रोवर के शो 'राइज एंड फॉल'इन दिनों फिर से चर्चा मे है, क्योंकि मनीषा रानी ने वाइल्डकार्ड एंट्री की है। उनकी मजेदार वन-लाइनर्स, 'धनपवन साड़ी सेंटर'वाला किस्सा और फॉरेन इंग्लिश का मजाक सबको खूब भाया। ओटीटी पर अशनीर ग्रोवर का रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल' लगाता सुर्खियों में बना हुआ है। एक ओर जहां धनश्री वर्मा के खुलासों की लगातार चर्चा हो रही है, वहीं एक सच्चाई यह भी है कि भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह के जाने के बाद से शो की व्यूअरशिप कम हो रही है। अब इस शो में सबकी धड़कनें बढ़ाने वाइल्डकार्ड एंट्री हुई है मनीषा रानी की। 'बिग बॉस ओटीटी 2' में अपनी बातों, अदाओं और तेज दिमाग से धूम मचाने वाली मनीषा के आने से 'राइज एंड फॉल' में सनसनी मचने वाली है। मनीषा रानी ने शो में धमाकेदार एंट्री करते ही 6 लाख रुपए जीतने का मौका पाया और अपने आपको बेसमेंट फॉल से बचाया है। यही नहीं, उन्हें शो में एक कंटेस्टेंट को एलिमेशन के लिए नॉमिनेट करने और एक को एलिवेट करने का भी मौका मिला। मनीषा ने जहां बाली को शो से एविक्ट करने के लिए नॉमिनेट किया है, वहीं आरुष भोला एलिवेट करने का काम किया। इसके साथ ही धनश्री वर्मा को फॉल फेस करने के लिए भेजा। इसमें कोई दोराय नहीं है कि मनीषा के आने से गेम का रोमांच बढ़ गया है।

तान्या ने बीच में छोड़ी पढ़ाई

नई दिल्ली। रिएलिटी शो 'बिग बॉस' का 19वां सीजन लगातार बज में बना हुआ है। इसके कंटेस्टेंट्स आए दिन सुर्खियां बटोर रहे हैं। ग्वालियर के विद्या पब्लिक स्कूल से ग्रेजुएशन करने के बाद तान्या आर्किटेक्चर की पढ़ाई करने के लिए चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी गईं। लेकिन, अपने बिजनेस गोल्स पर फोकस करने के लिए उन्होंने पढ़ाई छोड़ दी थी। 26 साल की तान्या के इंस्टाग्राम पर 2.5 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। डब्बू मलिक और ज्योति मलिक के बेटे अमाल मलिक कम उम्र से ही म्यूजिक की दुनिया में हैं। सफलता पाने के बाद भी उन्होंने पढ़ाई पूरी की। उन्होंने 'द कपिल शर्मा शो' में बताया था कि उनकी मां टीचर हैं और उन्होंने साफ कहा था कि कॅरियर के साथ-साथ पढ़ाई भी करनी है, क्योंकि वो बहुत जरूरी है। उन्होंने जमनाबाई नरसी स्कूल से पढ़ाई की और मुंबई के एनएम कॉलेज से कॉमर्स में बैचलर डिग्री हासिल की। कानपुर में जन्में गौरव खन्ना ने एक्टिंग की दुनिया में आने से पहले करीब एक साल तक आईटी फर्म में मार्केटिंग मैनेजर के तौर पर काम किया था।

सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी से कम किए गए किसिंग सीन...

फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' इन दिनों चर्चा में है। जल्द ही यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। वरुण धवन, जान्हवी कपूर, सान्या मल्होत्रा और रोहित सराफ अभिनीत रोमांटिक कॉमेडी फिल्म को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से यू/ए 13+ सर्टिफिकेट मिला है।

मुंबई। बोर्ड की तरफ से फिल्म में मामूली संपादन की सिफारिश के बाद इसे रिलीज की इजाजत मिली है। सेंसर बोर्ड को फिल्म को मंजूरी देने से पहले दो बड़े बदलावों की जरूरत थी। पहला, 'गार्ड' शब्द को म्यूट करना, जिसका इस्तेमाल उस सीन में किया गया है जहां वरुण धवन का किरदार एक गाली को छिपाने की कोशिश करता है। दूसरा, किसिंग सीन को लगभग 60 प्रतिशत कम करना था। इन संपादनों के बाद, फिल्म को आखिरी मंजूरी मिल गई। सेंसर सर्टिफिकेट में फिल्म की अवधि 135 मिनट 45 सेकंड या 2 घंटे 15 मिनट 45 सेकंड बताई गई है। शशांक खेतान द्वारा निर्देशित इस फिल्म में वरुण धवन के साथ जान्हवी कपूर, सान्या मल्होत्रा, रोहित सराफ, मनीष पॉल, अक्षय ओबेरॉय और अभिनव शर्मा हैं। फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू हो गई है। यह फिल्म धर्मा प्रोडक्शंस और मेंटर डिसाइपल एंटरटेनमेंट द्वारा बनाई गई है। शशांक खेतान के निर्देशन में बनी यह फिल्म 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। सिनेमाघरों में यह फिल्म ऋषभ शेट्टी की 'कंतारा चैप्टर 1' से टकराएगी। वरुण धवन और जान्हवी कपूर इस फिल्म का खूब प्रचार कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने भोजपुरी स्टार खेसारी लाल यादव के साथ डांस करते हुए फिल्म का प्रमोशन किया था। आपको बता दें कि वरुण धवन जल्द ही फिल्म 'बॉर्डर 2' में नजर आने वाले हैं।

ऐश्वर्या संग पोज देकर खुशी से झूमीं सिमोन

पेरिस। सोमवार को ब्रिटिश सीरीज ब्रिजर्टन की एक्ट्रेस सिमोन एश्ले ने अपने इंस्टाग्राम पर ऐश्वर्या राय के साथ एक फोटो शेयर कीं। सिमोन और ऐश्वर्या के कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हैं। ऐश्वर्या बहुत प्यार से सिमोन के साथ गपशप कर रही हैं। अपना मेकअप छोड़कर ऐश्वर्या ने सिमोन के साथ सेल्फी ली। सिमोन एश्ले ने ऐश्वर्या राय के साथ क्लिक की गई सेल्फी को अपने इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन में पोस्ट किया है। साथ ही इस फोटो को ऐश्वर्या राय को भी टैग किया है। साथ ही फोटो पर एक हार्ट इमोजी भी बनाया है। यह फोटो सोशल मीडिया पर भी काफी वायरल है।

आईएमडीबी ने जारी की सबसे अधिक पॉप्युलर फिल्मों की लिस्ट

बीते 25 साल में इन 25 फिल्मों ने जीता दर्शकों का दिल

नई दिल्ली। आईएमबीडी ने वैसी फिल्मों की लिस्ट जारी ही है जो पिछले 25 सालों की सबसे अधिक पॉप्युलर रहीं। इस डेटासेट में जहां शाहरुख की 20 फिल्में हैं, उसके बाद आमिर खान और ऋतिक रोशन की 11-11 फिल्में। द इंटरनेट मूवी डेटाबेस ने पिछले 25 साल की सबसे अधिक पॉप्युलर फिल्मों की लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में साल 2000 के बाद से रिलीज हुई कई शानदार फिल्मों के नाम शामिल हैं। आईएमबीडी की लिस्ट में 2000 से 2025 के बीच में सबसे ज्यादा सर्च की गई फिल्में और सितारों के नाम भी शामिल हैं और इन्हें ऑल टाइम पेज व्यूज के आधार पर रैंक किया गया है। ये रिपोर्ट 130 फिल्मों पर बेस्ड है। रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2000 से 2025 के बीच अब तक की सबसे ज्यादा पॉप्युलर फिल्मों की लिस्ट जारी की गई है। वहीं, इस लिस्ट में हालिया रिलीज फिल्म 2025 की 'सैयारा' पहले नंबर पर मौजूद है। सैयारा ने विक्की कौशल की छावा को भी पीछे छोड़ दिया है जो दूसरे नंबर पर है। 2025 की लिस्ट में तीसरे नंबर पर महावतार नरसिम्हा, चौथे नंबर पर ड्रैगन और पांचवें नंबर पर कुली है।

इस डेटासेट में हर साल की 5 फिल्में

आईएमबीडी की 130 फिल्मों पर बेस्ड इस इस डेटासेट में हर साल की 5 फिल्में हैं। साल 2000 से 2005 तक की सभी टॉप फिल्मों में शाहरुख खान लीड रोल में थे, एसएस राजामौली की दो 'बाहुबली' फिल्मों के बाद के वर्षों में हिंदी स्पीकिंग रीजन से बाहर के टाइटल में काफी तेजी देखी गई।

शाहरुख की कमबैक को रणबीर ने दी मात

ये तो साफ है कि शाहरुख खान लंबे समय से दर्शकों के पसंदीदा हीरो रहे हैं। पिछले 25 वर्षों के आधार पर बनी इस लिस्ट में टॉप पर रहने वाली सात फिल्में हैं। दिलचस्प बात ये है कि उनकी 2023 की सभी कमबैक हिट फिल्मों को रणबीर कपूर की 'एनिमल' ने पछाड़ दिया।

आमिर खान और ऋतिक रोशन की 11-11 फिल्में

वहीं, पूरे 130 फिल्मों के डेटासेट में, शाहरुख की 20 फिल्में हैं, उसके बाद आमिर खान और ऋतिक रोशन की 11-11 फिल्में। दीपिका पादुकोण 130 फिल्मों के डेटासेट में 10 फिल्मों के साथ सबसे लोकप्रिय फीमेल स्टार रहीं। 25 साल की के दौरान आखिरी सालों में दुनिया भर में अच्छा प्रदर्शन करने वाली फिल्मों में तेजी नजर आई।

एनालिसिस के आधार पर ये फिल्में सबसे अधिक पॉप्युलर

2000 - मोहब्बतें	2013 - द लंचबॉक्स
2001 - कभी खुशी कभी गम	2014 - पीके
2002 - देवदास	2015 - बाहुबली: द बिगिनिंग
2003 - कल हो ना हो	2016 - दंगल
2004 - वीर-जारा	2017 - बाहुबली 2: द कन्क्लूजन
2005 - ब्लैक	2018 - केजीएफ: चैप्टर 1
2006 - धूम 2	2019 - उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक
2007 - तारे जमीन पर	2020 - दिल बेचारा
2008 - रब ने बना दी जोड़ी	2021 - पुष्पा: द राइज
2009 - 3 इडियट्स	2022 – केजीएफ: चैप्टर 2
2010 - माई नेम इज खान	2023 – एनिमल
2011 - जिंदगी ना मिलेगी दोबारा	2024 – पुष्पा 2: द रूल
2012 - गैंग्स ऑफ वासेपुर	2025 – सैयारा

वो फिल्में जो लंबे समय तक ऑडियंस से कनेक्ट रही

आईएमडीबी ने उन भारतीय फिल्मों की भी लिस्ट तैयार की है जो लंबे समय तक ऑडियंस से कनेक्ट रही है। इनमें वो फिल्में हैं जिनमें रिलीज के कई सालों बाद भी दर्शकों की दिलचस्पी में इजाफा देखने को मिली। इन फिल्मों में विरुमंदी (2004), बैंगलोर डेज (2014), मसान (2015), प्रेमम (2015), बरेली की बर्फी (2017) और रत्सासन (2018) शामिल हैं।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप : कथुनिया को वैश्विक स्तर पर स्वर्ण मेडल की तलाश, फिर जीता रजत

दूसरे प्रयास में चक्के को 42.49 मीटर की दूरी तक फेंककर जीता मेडल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत के योगेश कथुनिया ने को विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की एफ 56 चक्का फेंक स्पर्धा में एक और रजत पदक जीता, जिससे वैश्विक स्तर पर अपने पहले स्वर्ण पदक की उनकी तलाश जारी रही। कथुनिया (28 वर्ष) ने दूसरे प्रयास में चक्के को 42.49 मीटर की दूरी तक फेंककर रजत पदक जीता। वह 2019 से सभी चार विश्व चैंपियनशिप में पदक जीत रहे हैं। कथुनिया ने पैरालंपिक खेलों (2021 और 2024) में दो रजत पदक के अलावा विश्व चैंपियनशिप में अपना लगातार तीसरा रजत पदक जीता। उन्होंने 2023 और 2024 में भी दो रजत पदक जीते थे। उन्होंने 2019 सत्र में कांस्य पदक भी जीता था।

कथुनिया ने 2023 हांगझोउ एशियाई पैरा खेलों में भी रजत पदक जीता था। विश्व रिकॉर्ड धारक ब्राजील के स्टार क्लॉडनी बतिस्ता ने 45.67 मीटर के प्रयास से स्वर्ण पदक जीता। उनके सभी छह थ्रो कथुनिया के दिन के सर्वश्रेष्ठ प्रयास से बेहतर थे। 2019 सत्र से शुरू हुई विश्व चैंपियनशिप में बतिस्ता का यह लगातार चौथा स्वर्ण पदक है। उन्होंने पिछले तीन पैरालंपिक खेलों में भी स्वर्ण पदक जीता है। कथुनिया चार विश्व चैंपियनशिप और दो पैरालंपिक खेलों में ब्राजील के खिलाड़ी को नहीं हरा पाए हैं।

घरेलू मैदान में पदक जीतना अलग अहसास

एफ56 श्रेणी उन एथलीटों के लिए है, जो फील्ड स्पर्धाओं में बैठकर प्रतिस्पर्धा करते हैं। इस वर्ग में विभिन्न एथलीट प्रतिस्पर्धा करते हैं, जिनमें अंग विच्छेदन और रीढ़ की हड्डी की चोट वाले एथलीट भी शामिल हैं। कथुनिया ने कहा, 'यह अलग एहसास है क्योंकि मैंने अपने घरेलू मैदान पर रजत पदक जीता है। मेरे परिवार के सदस्य यहां हैं और अपने परिवार के सामने प्रदर्शन करके बहुत खुश हूं। उन्होंने हमेशा मेरा बहुत साथ दिया है इसलिए यह मेरे लिए खास है।' पहले भी उन्होंने वैश्विक स्तर पर हर बार दूसरे स्थान पर रहने पर निराशा व्यक्त की थी। उन्होंने कहा, 'पिछले छह-सात वर्षों से रजत पदक मेरे साथ जुड़ा हुआ है लेकिन पदक के रंग में कोई गिरावट नहीं आई है लेकिन कोई बात नहीं, मेरा समय (स्वर्ण पदक जीतने का) आएगा।'

नौ साल की उम्र में हुआ गिलियन-बैरे सिंड्रोम

नौ साल की छोटी सी उम्र में कथुनिया को गिलियन-बैरे सिंड्रोम होने का पता चला था जो एक दुर्लभ स्व-प्रतिरक्षा विकार है। डॉक्टरों ने उन्हें बताया कि वह फिर कभी नहीं चल पाएंगे और जल्द ही वह व्हीलचेयर पर आ गए। लेकिन तीन साल के भीतर वह फिर से चलने लगे इसका श्रेय उनकी मां मीना देवी को जाता है जिन्होंने अपने बेटे के इलाज के लिए फिजियोथेरेपी सीखी। कथुनिया हरियाणा के झज्जर जिले के बहादुरगढ़ के रहने वाले हैं। उनके पिता भारतीय सेना में सिपाही थे इसलिए उन्होंने चंडीगढ़ के इंडियन आर्मी पब्लिक स्कूल से पढ़ाई की और नई दिल्ली के किरोड़ीमल कॉलेज से कॉमर्स में स्नातक की डिग्री हासिल की। कथुनिया ने कहा कि अगर बेल्ट को सख्ती से नहीं कसा जाता तो वह और बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे। उन्होंने कहा, 'अधिकारी थोड़े सख्त थे। बेल्ट थोड़ी अधिक कसी हुई थी जिससे मूवमेंट में बाधा आती है और दूरी हमेशा कम से कम तीन से चार मीटर कम हो जाती है।' बैठकर थ्रो करने की स्पर्धाओं में एथलीटों को विशेष रूप से बनाए गए थ्रोइंग फ्रेम पर बैठकर छह मिनट में छह थ्रो करने होते हैं, जो पट्टियों से जमीन से बंधे होते हैं। एथलीट खुद को फ्रेम पर सुरक्षित रखने के लिए पट्टियों का इस्तेमाल करते हैं क्योंकि नाभि के नीचे कोई भी हरकत जजों से कई तरह के फाउल का कारण बन सकती है।

खबर संक्षेप

हाफ मैराथन को हरी झंडी दिखाएंगे लुईस

नई दिल्ली। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ एथलीटों में शुमार कार्ल लुईस को वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन का इवेंट दूत बनाया गया है। आयोजकों ने कहा कि नौ बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अमेरिकी फर्राटा धावक और लंबी कूद के खिलाड़ी लुईस 12 अक्टूबर को दिल्ली में जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम से मैराथन को हरी झंडी दिखाएंगे। लुईस ने कहा,' दौड़ संभावना और प्रगति की सार्वभौमिक भाषा है। वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन जैसे आयोजन साबित करते हैं कि खेलों का जादू रिकॉर्ड और पदक से इतर है। यह जिंदगियां बदल देता है और सपने देखने के लिए प्रेरित करता है।' चार ओलंपिक खेलों में 9 स्वर्ण पदक जीत चुके लुईस ने 1984 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में 100 मीटर, 200 मीटर, ऊंची कूद और चार गुणा 100 मीटर रिले में स्वर्ण पदक जीते थे।

खिताब जीत कर दिया पाकिस्तान को जवाब

हैदराबाद। एशिया कप फाइनल में भारत की जीत के सूत्रधार रहे मध्यक्रम के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने कहा कि पाकिस्तानी खिलाड़ियों की छींटाकशी और आक्रामकता का सर्वश्रेष्ठ जवाब खिताब जीतना ही था और उन्होंने शुरुआत में बने दबाव से सहज पार पा लिया था। तिलक के नाबाद 69 रन की मदद से भारत ने दुबई में रविवार को खेले गए फाइनल में पांच विकेट से जीत दर्ज की। तिलक ने कहा,' शुरुआत में कुछ दबाव और तनाव था लेकिन मैंने सबसे ऊपर अपने देश को रखा और मैं देश के लिए जीतना चाहता था। मुझे पता था कि दबाव के आगे घुटने टेक दूंगा तो अपने आप को और देश के 140 करोड़ लोगों को निराश करूंगा।' उन्होंने कहा,' मैंने बेसिक्स पर भरोसा रखा, जो मैंने शुरुआती दिनों में अपने कोचों से सीखे थे और उसका अनुसरण किया।

स्क्वॉश इंडियन : टोर्की और वालिद ने जीता खिताब

बेंगलुरु। मिस्र के उमर एल टोर्की और मेना वालिद ने 'एचसीएल स्क्वाश इंडियन टूर 3' के खिताबी मुकाबले में जीत दर्ज की। पीएसए चैलेंजर स्तर की इस प्रतियोगिता में टोर्की ने अपने हमवतन और

तीसरी वरीयता प्राप्त सैफ शेनवी को 32 मिनट में 11-8, 11-8, 11-4 से हराया, जबकि महिला वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त मेना ने मलेशिया की हरलीन टैन को 11-6, 11-5, 6-11, 11-8 से हराकर खिताब पर कब्जा किया। इस प्रतियोगिता में भारतीयों का प्रदर्शन भी अच्छा रहा। सूरज कुमार चंद और अंजलि सेमवाल ने सेमीफाइनल तक का सफर तय किया, जबकि ओम सेमवाल, सान्या वत्स, निरुपमा दुबे और शमीना रियाज क्वार्टरफाइनल में पहुंचे थे।

महिला क्रिकेट विश्व कप : दोपहर 3 बजे से इंदौर में मुकाबला

न्यूजीलैंड-आस्ट्रेलिया में भिड़ंत आज चैंपियंस टीमों में होगी कांटे की टक्कर

एजेंसी ▶▶| इंदौर

सात बार की चैंपियन आस्ट्रेलियाई टीम आईसीसी महिला एक दिवसीय क्रिकेट विश्व कप में बुधवार 1 अक्टूबर को न्यूजीलैंड की अनुभवी टीम के खिलाफ जीत दर्ज करके अपने अभियान की शानदार शुरुआत करना चाहेगी। मौजूदा टी20 चैंपियन न्यूजीलैंड से उसे कड़ी चुनौती मिलेगी लेकिन आस्ट्रेलिया को आंतरिक चुनौतियों से भी पार पाना होगा। आस्ट्रेलिया के पास प्रतिभा और विकल्पों की कमी नहीं है और टीम की जरुरतों के हिसाब से संतुलन बनाना सबसे बड़ी परेशानी है।

स्पिनर सोफी और जॉर्जिया उबर चुकी हैं चोटों से

बाएं हाथ की स्पिनर सोफी मोलिनू और लेग स्पिनर जॉर्जिया वेयरहेम अपनी अपनी चोटों से उबर चुकी हैं। अब आस्ट्रेलियाई टीम प्रबंधन को देखना होगा कि अंतिम एकादश में उनकी जगह कैसे बनाई जाए। उन्हें देखना होगा कि वेयरहेम और अलाना किंग के रूप में दो लेग स्पिनरों को उतारा जाए या आक्रमण को विविधता देने के लिए मोलिनू को शामिल किया जाए। तेज गेंदबाजी में भी आस्ट्रेलिया के पास मेगान शूट, अनाबेल सदरलैंड, एलिसे पैरी, ताहलिया मैकग्रा और डार्सी ब्राउन जैसे खिलाड़ी हैं।

बल्लेबाजी का मजबूत स्तंभ जॉर्जिया वोल

बल्लेबाजी में बेथ मूनी, फीबी लिचफील्ड और एशले गार्डनर के साथ कप्तान एलिसा हीली को मोर्चे से अगुवाई करनी होगी। भारत के खिलाफ ब्रिसबेन में 87 गेंद में 101 रन बनाने वाली जॉर्जिया वोल भी टीम में है, जिससे बल्लेबाजी मजबूत होगी। आस्ट्रेलिया ने विश्व कप से ठीक पहले भारत को द्विपक्षीय श्रृंखला में 2-1 से हराकर अपनी बल्लेबाजी मजबूत की है।

न्यूजीलैंड को करना होगा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

न्यूजीलैंड को इस आस्ट्रेलियाई टीम को हराने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा । पिछले साल यूएई में टी20 विश्व कप में मिली खिताबी जीत के बाद उपमहाद्वीप में अच्छे प्रदर्शन का उसे आत्मविश्वास मिला है। न्यूजीलैंड ने हालांकि मार्च में श्रीलंका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के बाद से वनडे क्रिकेट नहीं खेली है। इसके अलावा 2024 के बाद से वे भारत, इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया से श्रृंखला हार चुके हैं। आस्ट्रेलिया हालांकि उन्हें हलके में लेने की गलती नहीं करेगा क्योंकि न्यूजीलैंड ने पिछले साल दस मैचों की हार का सिलसिला तोड़कर टी20 विश्व कप जीता था। उनके पास कप्तान सोफी डेवाइन, सूजी बेट्स, ली ताहुहू, एमेलिया केर और मैडी ग्रीन जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। वहीं जॉर्जिया प्लिमर, पोली इंगलिस , एडेन कारसन ओर इजी गेज जैसे युवा खिलाड़ी भी हैं ।

टीम इस प्रकार

आस्ट्रेलिया : एलिसा हीली (कप्तान), डार्सी ब्रासन, एशले गार्डनर, किम गार्थ, हीथर ग्राहम, अलाना किंग, फीबी लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्रा, सोफी मोलिनू, बेथ मूनी, एलिसे पैरी, मेगान शूट, अनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहेम।

न्यूजीलैंड : सोफी डेवाइन (कप्तान), सूजी बेट्स, एडेन कारसन, फ्लोरा डेवोनशर, इजी गेज, मैडी ग्रीन, ब्रूक हालीडे, ब्री इलिंग, पोली इंगलिस, बेला जेम्स, जेस केर, एमेलिया केर, रोसमेरी मायेर, जॉर्जिया प्लिमर, ली ताहुहू ।

इंदौर में बारिश का साया

ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच बुधवार को खेले जाने वाले आईसीसी महिला एक दिवसीय क्रिकेट विश्व कप मैच पर बारिश का साया मंडरा रहा है। इसके मद्देनजर मध्यप्रदेश क्रिकेट संघ (एमपीसीए) ने इस मुकाबले के दौरान वर्षा की संभावित स्थिति से निपटने के लिए खास इंतजाम किए हैं। मौसम विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक वीपी सिंह चंदेल ने बताया,'मॉनसून ने इंदौर से अब तक विदाई नहीं ली है। खम्भात की खाड़ी के ऊपर सक्रिय चक्रवातीय परिसंचरण के कारण शहर में तीन अक्टूबर तक हल्की बारिश के आसार हैं।' एमपीसीए के मीडिया प्रबंधक राजीव रिसोड़कर ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड विश्व कप मैच के दौरान बारिश की संभावित स्थिति से निपटने के लिए खास इंतजाम किए गए हैं ताकि मुकाबले के दौरान मैदान और पिच सही-सलामत बने रहें।

स्प्रिंट ट्रैक

दिल्ली की मसालों से सुगंधित छतों पर बोल्ट ने लगाई दौड़

पतंगबाजी के लिए प्रसिद्ध खारी बावली की विरासत वाली छतें बदली स्प्रिंट ट्रैक में

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दुनिया के सबसे तेज धावक उसैन बोल्ट ने दिल्ली के खारी बावली की छतों पर जब दौड़ लगाई तो एशिया के सबसे बड़े मसालों की बाजार की पृष्ठभूमि में इतिहास और खेल का ऐसा मिलन हुआ, जैसा भारत ने पहले कभी नहीं देखा था। यह पहला मौका था जब अपने मसालों और पतंगबाजी के लिए प्रसिद्ध खारी बावली की विरासत वाली छतें एक स्प्रिंट ट्रैक में बदल गई। बोल्ट के साथ इस मौके पर पीवी सिंधू, पीआर श्रीजेश और अनिमेष कुजूर जैसे भारतीय ओलंपिक के सितारे भी शामिल थे। बोल्ट ने कहा, 'पुरानी दिल्ली की मसालों से सुगंधित छतों पर दौड़ना मेरे लिए अनूठा अनुभव था। इतने ऐतिहासिक स्थल पर पीवी सिंधू, पीआर श्रीजेश और अनिमेष कुजूर जैसे भारत के बेहतरीन ओलंपियनों से साथ समय बिताना मेरे लिए ऊर्जा से भरने वाला रहा।'

दौड़ ने संस्कृति और खेल को एक साथ जोड़ा

बोल्ट जहां मौजूद थे उस छत से लाल किला भी दिखाई दे रहा था और सुबह की धूप में मसाले सूख रहे थे। इस दौड़ ने संस्कृति और खेल को इस तरह से एक साथ जोड़ा, जो पहले कभी नहीं देखा गया था। भारतीय बैडमिंटन की दिग्गज सिंधू ने कहा, 'पुरानी दिल्ली के खारी बावली में उसैन बोल्ट के साथ कंधे से कंधा मिलाकर दौड़ना प्रेरणादायक था। किसी खिलाड़ी के लिए वैश्विक दिग्गज के साथ इस तरह की जीवन में एक बार मिलने वाली रिले का हिस्सा बनना अविश्वसनीय जैसा है। यह वह क्षण है, जो मुझे याद दिलाता है कि मैंने खेल से पहली बार प्यार क्यों किया।'

हॉकी

जूनियर महिला हॉकी टीम का दबदबा, कैनबरा चिल को हराया

एजेंसी ▶▶| कैनबरा

ईशिका के दो गोलों की मदद से भारत की जूनियर महिला हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया के क्लब कैनबरा चिल को 3-1 से हरा कर इस दौरे की दूसरी जीत दर्ज की।

ईशिका ने 13वें और 39वें मिनट में गोल किए, जबकि सोनम ने 27वें मिनट में गोल दागा। भारतीय टीम ने 11वें मिनट में गोल खाने के बावजूद मैच में दबदबा बनाए रखा। कैनबरा चिल के लिए, नाओमी इवांस ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। यह हालांकि घरेलू टीम के लिए एकमात्र सफलता थी, क्योंकि भारत ने दो मिनट बाद ही पलटवार किया जब ईशिका ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल दिया। सोनम ने स्कोर 1-1 से बराबर होने के बाद मध्यांतर से पहले मैदानी गोल करके भारत को बढ़त दिला दी। ईशिका ने मैच के तीसरे क्वार्टर में अपना दूसरा गोल कर भारत को 3-1 से आगे कर दिया। भारत ने दौरे पर अब तक दो मैच जीते हैं और दो हारे हैं। टीम गुरुवार को कैनबरा चिल के खिलाफ अपना अंतिम दौरा मैच खेलेगी।

आईएलटी20 में शारजाह वॉरियर्स के लिए खेलेंगे कार्तिक

शारजाह। भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक इंटरनेशनल लीग टी20 (आईएलटी20) के चौथे सत्र से पहले शारजाह वॉरियर्स टीम से जुड़ गए। कार्तिक ने वॉरियर्स टीम में श्रीलंका के विकेटकीपर बल्लेबाज कुसल मेंडिस की जगह ली। इस टीम के कोच दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर जेपी डुमिनी हैं। कार्तिक ने कहा, 'मैं डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 टूर्नामेंट के लिए शारजाह वॉरियर्स टीम से जुड़कर बहुत उत्साहित हूं। मैं जानता हूं कि वे एक युवा टीम है और जो कुछ खास करने की ख्वाहिश रखते है। मैं यहां आकर खुश हूं।' कार्तिक ने कहा, 'शारजाह भी उन प्रतिष्ठित स्टेडियमों में से एक है, जहां हर कोई खेलना चाहता है। शारजाह वॉरियर्स फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनना एक सपने के सच होने जैसा है।' कार्तिक के लिए यह दूसरी विदेशी टी20 लीग होगी। वह इससे पहले दक्षिण अफ्रीका में एसए20 की की टीम पार्ल रॉयल्स का हिस्सा रह चुके है। रॉयल्स के लिए उन्होंने छह पारियों में 97 रन बनाए थे। कार्तिक आईपीएल 2025 चैंपियंस रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाजी कोच भी हैं।

खेल पुरस्कारों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 28 अक्टूबर

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय ने इस साल के राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों के लिए आवेदन आमंत्रित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी और 28 अक्टूबर को आवेदन करने की आखिरी तारीख है। खेलों में उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रपति हर साल ये पुरस्कार देती हैं लेकिन राष्ट्रपति भवन में होने वाले समारोह की तारीख अभी तक नहीं आई है। डोपिंग उल्लंघन के मामलों में सजा पा चुके खिलाड़ी तभी पुरस्कार के पात्र होंगे जब सजा की अवधि खत्म हो चुकी हो। मंत्रालय ने कहा,' निलंबन या सजा के दौरान की उपलब्धियां नहीं गिनी जाएंगी। जिस खिलाड़ी के खिलाफ जांच चल रही है या लंबित है, उसे भी पुरस्कार के योग्य नहीं माना जाएगा।'भारतीय खेल प्राधिकरण के संयुक्त सचिव (खेल), निदेशक या उप सचिव (खेल) और खेल विभाग और कार्यकारी निदेशक (टीमें) या निदेशक (टीमें) आवेदन की छंटनी करेंगे।

अंडर-19 टेस्ट सीरीज : दीपेश की तूफानी गेंदबाजी, ऑस्ट्रेलिया 243 रनों पर सिमटी

दीपेश ने 16.2 ओवर में 45 रन देकर झटके 5 विकेट

एजेंसी ▶▶| ब्रिसबेन

तेज गेंदबाज दीपेश देवधरन के पांच विकेट से भारतीय अंडर-19 टीम ने पहले युवा टेस्ट मैच के शुरुआती दिन मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 को पहली पारी में 243 रन पर आउट कर दिया। तमिलनाडु के 17 वर्षीय दीपेश ने 16.2 ओवर में 45 रन देकर पांच विकेट झटके जबकि किशन कुमार ने उनका शानदार तरीके से साथ देते हुए 16 ओवर में 48 रन देकर तीन विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 की पूरी टीम 91.2 ओवर में आउट हो गई, जिसके बाद दिन का खेल समाप्त

स्टीवन होगन ने बनाए 92 रन

ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के लिए तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी करने आए स्टीवन होगन ने एक छोर संभालते हुए 246 गेंदों पर धैर्यपूर्ण 92 रन बनाए। जेड हॉलिक ने 94 गेंद में 38 रन बनाकर उनका अच्छा साथ दिया। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 65 रन की साझेदारी की। ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया लेकिन दीपेश और किशन ने शुरुआती ओवरों में एक-एक विकेट झटक कर स्कोर को दो विकेट पर 30 रन कर दिया। ऑफ-स्पिनर अनमोलजीत सिंह ने कप्तान विल मालजुक (21) का विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को पहले सत्र में ही 78 पर तीन विकेट के स्कोर के साथ मुश्किल स्थिति में डाल दिया। इसके बाद खिलन पटेल और दीपेश ने हॉलिक और विकेटकीपर साइमन बज को पवेलियन भेज दिया, जिससे ऑस्ट्रेलिया का स्कोर पांच विकेट पर 167 रन हो गया।

जापान ओपन में फ्रिट्ज को हराकर जीती साल की आठवीं ट्राफी

अल्कारेज ने जीता कॅरियर का 24वां खिताब

एजेंसी ▶▶| टोकियो

शीर्ष रैंकिंग वाले कार्लोस अल्कारेज ने जापान ओपन के फाइनल में दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज को हराकर इस साल अपना आठवां एकल खिताब जीता। अल्कारेज ने फ्रिट्ज को 6-4, 6-4 से हराकर करियर का 24वां एकल खिताब जीता। उन्हें पिछले हफ्ते लीवर कप टीम प्रतियोगिता में फ्रिट्ज के खिलाफ सीधे सेट में हार का सामना करना पड़ा था।

स्पेन के अल्कारेज ने मौजूदा सत्र में जीत-हार के अपने सत्र के रिकॉर्ड को बेहतर करते हुए टूर का सर्वश्रेष्ठ 67-7 हासिल किया और उन्हें सत्र के अंत में नंबर एक रैंकिंग की ओर कदम बढ़ाए। तोक्यो में यह फाइनल अल्कारेज के लिए मार्च के बाद से लगातार नौवां फाइनल था। फाइनल में उनका जीत-हार का रिकॉर्ड 7-2 है।

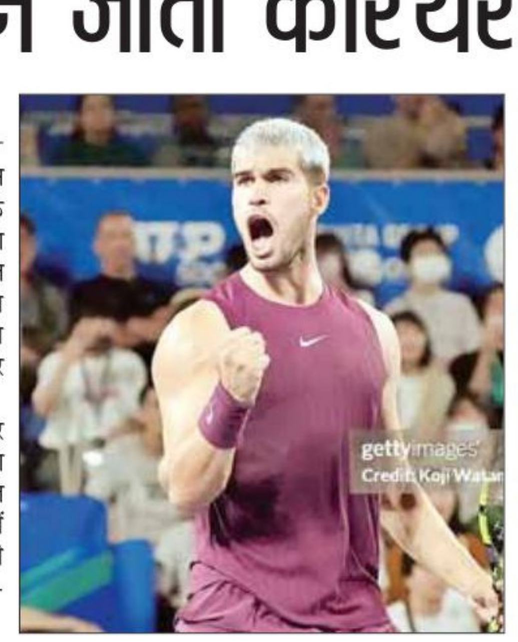

चाइना ओपन : कोको क्वार्टर फाइनल में

बीजिंग। दूसरी वरीयता प्राप्त कोको गॉफ ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए स्विट्जरलैंड की बेलिंडा बेंसिक को 4-6, 7-6(4), 6-2 से हराकर चाइना ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। 15वीं वरीयता प्राप्त और टोक्यो ओलंपिक चैंपियन बेंसिक ने डायमंड कोर्ट पर पहले सेट के आखिर में ब्रेक लगाकर पहला सेट 6-4 से जीत लिया। विश्व की तीसरे नंबर की खिलाड़ी गॉफ ने दूसरे सेट में भी वापसी की, जिसमें दोनों खिलाड़ियों ने एक-दूसरे के ब्रेक का सामना किया, जिसके बाद अमेरिकी खिलाड़ी ने टाईब्रेकर के लिए मजबूर किया, जिसे उन्होंने 7-4 से जीतकर मैच बराबर कर दिया। एक समय तो बेंसिक ने अपना रैकेट तोड़ दिया और चेयर अंपायर से गॉफ के टीम बॉक्स से ध्यान भटकाने की शिकायत की।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे बेंगलुरु अस्पताल में भर्ती

-पेसमेकर लगाने की तैयारी; हालत स्थिर

बेंगलुरु । कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे (83 वर्ष) को मंगलवार को बेंगलुरु के एमएस रमैया अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, उन्हें बुखार और पैर में दर्द की शिकायत हुई थी, जिसके बाद परिवार ने उन्हें डॉक्टरों की निगरानी में अस्पताल ले जाने का निर्णय लिया। अस्पताल प्रशासन और डॉक्टरों ने आवश्यक जांच करने के बाद उनकी स्थिति पर बारीकी से निगरानी रखी। खड़गे के बेटे और कर्नाटक सरकार में मंत्री प्रियांक खड़गे ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि डॉक्टरों ने उनके पिता को पेसमेकर लगाने की सलाह दी है। उन्होंने बताया कि यह पूरी तरह से पहले से तय प्रक्रिया के तहत किया जा रहा है और इसमें किसी तरह की आपात स्थिति नहीं है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मल्लिकार्जुन खड़गे की हालत पूरी तरह स्थिर है और वे बेहतर महसूस कर रहे हैं। प्रियांक खड़गे ने देशभर से आ रही शुभकामनाओं और चिंता व्यक्त करने वालों का धन्यवाद भी किया। इस बीच, पार्टी सूत्रों ने भी पुष्टि की कि खड़गे को मंगलवार शाम को अस्पताल ले जाया गया था। उनकी सेहत को लेकर कई तरह की अटकलें सोशल मीडिया पर फैलने लगी थीं, लेकिन परिवार और डॉक्टरों की ओर से साफ किया गया कि यह सब एक नियोजित मेडिकल प्रक्रिया का हिस्सा है। बुधवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने खुद अस्पताल जाकर मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की। बाहर आकर उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि खड़गे जी को थोड़ी बेचैनी जरूर महसूस हुई थी, लेकिन अब वे बिल्कुल ठीक हैं। वे डॉक्टरों से बात कर रहे हैं और सामान्य बातचीत कर पा रहे हैं। सिद्धारमैया ने बताया कि डॉक्टरों के अनुसार, गुरुवार तक उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी। मल्लिकार्जुन खड़गे का भारतीय राजनीति में लंबा और प्रभावशाली करियर रहा है। वे कई दशकों से कांग्रेस पार्टी से जुड़े हुए हैं और पार्टी संगठन में उनकी पकड़ मजबूत मानी जाती है। खड़गे वर्तमान में राज्यसभा में विपक्ष के नेता हैं और कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में उनकी भूमिका पार्टी के लिए अहम है। ऐसे में उनकी सेहत को लेकर कार्यकर्ताओं और समर्थकों में चिंता स्वाभाविक थी। हालांकि, डॉक्टरों और परिवार की ओर से लगातार मिल रही सकारात्मक खबरों ने समर्थकों को राहत दी है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं ने भी उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। फिलहाल, उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है और संभावना है कि जल्द ही वे सामान्य दिनचर्या में लौट आएंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के स्वास्थ्य को लेकर पार्टी और समर्थकों में हलचल मच गई। उम्रदराज होने की वजह से डॉक्टरों ने उन्हें पेसमेकर लगाने की सलाह दी है। यह प्रक्रिया पूरी तरह से तयशुदा मेडिकल प्लान का हिस्सा है। प्रियांक खड़गे ने साफ किया कि उनके पिता की स्थिति चिंताजनक नहीं है, बल्कि वे डॉक्टरों की निगरानी में बेहतर महसूस कर रहे हैं।

मोदी बोले- घुसपैठियों से चुनौती, सतर्क रहना होगा

-RSS के शताब्दी समारोह में डाक टिकट और सिक्का जारी

नई दिल्ली । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) ने अपने 100 साल पूरे होने के मौके पर भव्य शताब्दी समारोह का आयोजन किया। इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम में शामिल होकर संघ की भूमिका, उसकी यात्रा और आने वाले समय में चुनौतियों पर विस्तार से बात की।

RSS की यात्रा और योगदान पर प्रधानमंत्री मोदी के विचार

प्रधानमंत्री ने कहा कि संघ की स्थापना के बाद से अब तक की यात्रा केवल संगठन की मजबूती तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसने राष्ट्र निर्माण और समाज सेवा की दिशा में कई मिसालें कायम की हैं। उन्होंने कहा, "संघ के स्वयंसेवकों ने कभी कटुता नहीं दिखाई। चाहे प्रतिबंध लगे हों या साजिशें रची गई हों, उन्होंने हमेशा समाज की भलाई को प्राथमिकता दी। उनका मंत्र रहा है कि जो अच्छा है और जो कम अच्छा है, दोनों ही हमारे अपने हैं।" मोदी ने संघ की विचारधारा को आत्मसात करते हुए यह भी कहा कि संगठन हमेशा समाज को जोड़ने का कार्य करता रहा है। यह परंपरा आज भी कायम है और भविष्य में भी जारी रहेगी।

डाक टिकट और सिक्के का विमोचन

शताब्दी समारोह के मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने स्मारक डाक टिकट और स्मारक सिक्का भी जारी किया। उन्होंने कहा कि यह केवल एक डाक टिकट या सिक्का नहीं है, बल्कि यह संघ की सेवा भावना, समर्पण और राष्ट्र निर्माण में योगदान का प्रतीक है।

उन्होंने आगे कहा, "संघ के स्वयंसेवक निरंतर समाज सेवा में लगे हुए हैं। गांव-गांव, शहर-शहर में लोगों को सशक्त बनाने का काम हो रहा है। इसी की झलक इस डाक टिकट और सिक्के में दिखाई देती है। मैं इसके लिए पूरे देश को बधाई देता हूं।"

घुसपैठियों से चुनौती और डेमोग्राफिक बदलाव पर चिंता

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि आज देश को घुसपैठियों और अवैध गतिविधियों से गंभीर चुनौतियां मिल रही हैं। उन्होंने आगाह किया कि जनसंख्या संरचना (Demography) में बदलाव लाने की कोशिशें भी की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि इस चुनौती का सामना करने के लिए संघ के पास एक व्यापक रोडमैप है। यह रोडमैप केवल समस्या को चिन्हित नहीं करता बल्कि इसके समाधान की दिशा भी दिखाता है। मोदी ने लोगों से अपील की कि इस मुद्दे पर सतर्कता और सजगता बेहद ज़रूरी है।

संघ का शताब्दी वर्ष – सेवा और त्याग का प्रतीक

प्रधानमंत्री ने संघ के सौ वर्षों को भारत की सामाजिक और सांस्कृतिक यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा बताते हुए कहा कि यह केवल एक संगठन की उपलब्धि नहीं है, बल्कि समाज के हर वर्ग को जोड़ने और राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक अद्वितीय योगदान है। उन्होंने कहा कि संघ ने शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन, पर्यावरण संरक्षण, आपदा प्रबंधन और सामाजिक एकजुटता जैसे अनेक क्षेत्रों में अपनी भूमिका निभाई है। यही कारण है कि आज संघ को देश और दुनिया में एक अलग पहचान प्राप्त है।

समाज को जोड़ने का मंत्र

मोदी ने कहा कि संघ की सबसे बड़ी ताकत यह रही है कि उसने हमेशा एकता और भाईचारे को प्राथमिकता दी। उन्होंने याद दिलाया कि जब-जब देश पर संकट आया, संघ के स्वयंसेवक बिना किसी भेदभाव के सेवा में आगे आए। उन्होंने कहा कि संघ ने यह सिद्ध कर दिया है कि संगठन की शक्ति से बड़े से बड़े संकट का समाधान निकाला जा सकता है। यही वजह है कि आज संघ केवल एक विचारधारा का प्रतीक नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने और रचनात्मक कार्यों का माध्यम बन चुका है।

प्रधानमंत्री का संदेश

प्रधानमंत्री मोदी ने अंत में कहा कि आने वाले समय में चुनौतियां बड़ी हैं, लेकिन विश्वास उससे भी बड़ा है। संघ और उसके स्वयंसेवक जिस समर्पण से कार्य कर रहे हैं, उससे देश और समाज को नई ऊर्जा मिलेगी। उन्होंने आह्वान किया कि हर नागरिक को सतर्क, सजग और अनुशासित रहकर समाज सेवा में अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा, "जब हर नागरिक अपने कर्तव्य को समझेगा और निभाएगा, तभी भारत अपने लक्ष्य की ओर तेज़ी से बढ़ेगा। संघ का सौ साल का यह अनुभव हमें यही प्रेरणा देता है।"

केंद्र ने केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़ाया:

-3% इजाफे से 58% हुआ DA, 49 लाख कर्मचारियों और 68 लाख पेंशनर्स को राहत

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने त्योहारी सीजन से पहले अपने कर्मचारियों और पेंशनर्स को बड़ी राहत दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (DA) और पेंशनर्स के महंगाई राहत (DR) में 3% की वृद्धि को मंजूरी दी गई। यह बढ़ोतरी 1 जुलाई 2025 से लागू होगी और कर्मचारियों को तीन महीने का एरियर भी मिलेगा। इस फैसले से न सिर्फ कर्मचारियों को बल्कि रिटायर्ड पेंशनर्स को भी सीधा फायदा मिलेगा।

49 लाख कर्मचारियों और 68 लाख पेंशनर्स को फायदा

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस निर्णय से लगभग 49.2 लाख केंद्रीय कर्मचारी और 68.7 लाख पेंशनर्स लाभान्वित होंगे। पहले कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 55% था, जिसे बढ़ाकर अब 58% कर दिया गया है। यानी वेतन और पेंशन में सीधे तौर पर बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।

10,084 करोड़ का अतिरिक्त बोझ

महंगाई भत्ते में यह इजाफा केंद्र सरकार के खजाने पर अतिरिक्त 10,084 करोड़ रुपए का बोझ डालेगा। लेकिन सरकार का मानना है कि यह कदम आवश्यक है ताकि कर्मचारियों और पेंशनर्स को महंगाई से राहत दी जा सके। लगातार बढ़ती महंगाई और जीवन-यापन के खर्चों को देखते हुए सरकार समय-समय पर डीए की समीक्षा करती है।

1 जुलाई से लागू, तीन महीने का एरियर

यह वृद्धि 1 जुलाई 2025 से लागू मानी जाएगी। इसका मतलब है कि जुलाई, अगस्त और सितंबर महीने का एरियर भी कर्मचारियों और पेंशनर्स को मिलेगा। सरकार ने यह घोषणा त्योहारी सीजन—दशहरा और दिवाली—से ठीक पहले की है, जिससे लाखों परिवारों की जेब में अतिरिक्त नकदी पहुंचेगी।

क्या है महंगाई भत्ता?

महंगाई भत्ता (DA) वेतन का वह हिस्सा होता है जो कर्मचारियों को महंगाई दर से बचाने के लिए दिया जाता है। इसे समय-समय पर बदला जाता है और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) के आधार पर तय किया जाता है। जब महंगाई बढ़ती है तो कर्मचारियों की वास्तविक क्रय शक्ति घट जाती है। इस कमी को पूरा करने के लिए सरकार डीए में इजाफा करती है।

कर्मचारियों और पेंशनर्स पर असर

कर्मचारियों पर प्रभाव: वेतन में 3% की सीधी बढ़ोतरी होगी। उदाहरण के तौर पर, यदि किसी कर्मचारी का बेसिक पे 20,000 रुपए है तो उसका महंगाई भत्ता 11,000 रुपए से बढ़कर 11,600 रुपए हो जाएगा। पेंशनर्स पर प्रभाव: रिटायर्ड कर्मचारियों की पेंशन पर भी 3% का इजाफा होगा। यह बढ़ोतरी उनके लिए राहत लेकर आएगी क्योंकि पेंशनभोगी वर्ग अक्सर महंगाई की मार से ज्यादा प्रभावित होता है।

राजनीतिक और सामाजिक महत्व

त्योहारी सीजन में यह बढ़ोतरी न सिर्फ आर्थिक राहत है बल्कि राजनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। सरकार अक्सर त्योहारों से पहले डीए बढ़ाने का निर्णय लेती है ताकि कर्मचारियों और उनके परिवारों को खुश किया जा सके। इससे ग्रामीण और शहरी दोनों अर्थव्यवस्थाओं में मांग बढ़ेगी और बाजार में रौनक आएगी।

राज्यों पर भी असर

केंद्र सरकार के इस फैसले का असर राज्यों पर भी पड़ता है।

नेतन्याहू ने कतर से माफी मांगी:

30 साल में इजराइल की तीसरी मुस्लिम देश को माफी

तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पिछले 30 वर्षों में तीन मुस्लिम देशों से औपचारिक माफी मांगी है। इनमें हाल ही में कतर शामिल हुआ है। इससे पहले जॉर्डन ने इजराइल के दबाव में मजबूर होकर कई मामलों में समझौता किया था और तुर्की को भी हमास के साथ जुड़े मामलों में मुआवजा दिया गया था। हाल ही में हुई घटना में हमास से जुड़े कुछ बड़े नेताओं को राजधानी के एक रिहाइशी कॉम्प्लेक्स में सीजफायर और अन्य राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा के लिए एक मीटिंग रखी गई थी। मीटिंग के दौरान ही इजराइली एयरफोर्स ने रेड सी से बैलिस्टिक मिसाइल दागकर इमारत को निशाना बनाया। इस हमले में हमास के पांच वरिष्ठ अधिकारी और कतर सेना का एक सैनिक मारे गए। इस हमले को कतर के खिलाफ अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की विदेश नीति की असफलता के रूप में देखा गया। हमले के पांच दिन बाद ही दोहा में 50 से अधिक मुस्लिम देशों के नेता इकट्ठा हुए और इजराइल के इस हमले की कड़ी निंदा की। इस बैठक में विभिन्न देशों ने इजराइल पर दबाव बनाने की अपील की। बढ़ते दबाव और अंतरराष्ट्रीय निंदा के बीच, नेतन्याहू को मजबूर होना पड़ा और उन्होंने लगभग 20 दिन बाद व्हाइट हाउस से कतर के प्रधानमंत्री को फोन करके माफी मांगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि इजराइल भविष्य में कभी भी कतर पर ऐसा हमला नहीं दोहराएगा। इस घटना ने इजराइल और मुस्लिम देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों को उजागर किया। नेतन्याहू की माफी इस बात का संकेत है कि मध्यपूर्व में राजनीतिक संतुलन और कूटनीतिक वार्ता कितनी महत्वपूर्ण है। विशेषज्ञों का मानना है कि कतर और अन्य मुस्लिम देशों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखना इजराइल की रणनीतिक जरूरत बन गया है। इतिहास में यह पहली बार नहीं है कि नेतन्याहू ने मुस्लिम देशों से माफी मांगी हो। 30 साल की अवधि में जॉर्डन और तुर्की से भी इजराइल को समझौता करना पड़ा था। कतर के साथ यह हालिया माफी इजराइल की बढ़ती वैश्विक दबाव और मध्यपूर्व में शांति बनाए रखने की कोशिशों का हिस्सा है। इस प्रकार, इजराइल-नेतन्याहू की यह कदम न केवल कतर के साथ रिश्तों में सुधार लाएगा, बल्कि अन्य मुस्लिम देशों के साथ भी सहयोग और संवाद के नए रास्ते खोल सकता है।

HAL को मिला चौथा इंजन

नवंबर में वायुसेना को मिलेंगे तेजस मार्क-1ए फाइटर जेट

नई दिल्ली। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) को अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक (GE) से चौथा इंजन मिल चुका है। इसी के साथ नवंबर 2025 तक भारतीय वायुसेना को दो तेजस मार्क-1ए फाइटर जेट मिलने का रास्ता साफ हो गया है। यह ख़बर भारत की रक्षा आत्मनिर्भरता और वायुसेना की ताक़त बढ़ाने के लिहाज़ से अहम है।

तेजस सौदे का इतिहास

फरवरी 2021 में भारत सरकार ने HAL के साथ 83 तेजस मार्क-1A विमान खरीदने का लगभग 48,000 करोड़ रुपये का करार किया था। यह सौदा भारतीय वायुसेना की क्षमता को अगले दशक तक मजबूती देने के लिए किया गया था। योजना के मुताबिक 2024 से ही HAL को डिलीवरी शुरू करनी थी, लेकिन अमेरिकी इंजन सप्लाई में देरी के कारण अभी तक एक भी एयरक्राफ्ट वायुसेना को नहीं मिल पाया। अब जबकि चौथा इंजन HAL को मिल गया है, तो नवंबर तक वायुसेना को पहले दो विमान मिलने की उम्मीद है। तय योजना के अनुसार 2028 तक सभी 83 तेजस वायुसेना को सौंप दिए जाएंगे।

तेजस मार्क-1ए की खासियत

तेजस भारतीय वायुसेना का पहला स्वदेशी विकसित हल्का लड़ाकू विमान है, जिसे HAL ने डिज़ाइन और निर्मित किया है। मार्क-1ए इसका एडवांस वर्जन है, जिसमें कई आधुनिक तकनीकें जोड़ी गई हैं: एवियॉनिक्स और रडार सिस्टम को अपग्रेड किया गया है।

इसमें बेहतर इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम है, जिससे युद्ध के दौरान दुश्मन के राडार को धोखा देना आसान होगा।

मार्क-1ए में आधुनिक बियॉन्ड विज़ुअल रेंज (BVR) मिसाइल क्षमता है।

इसकी मरम्मत और रखरखाव पुराने वर्जन की तुलना में आसान और सस्ता है।

विमान का 65% से अधिक हिस्सा भारत में निर्मित है, जो आत्मनिर्भर भारत अभियान की दिशा में बड़ी उपलब्धि है।

रणनीतिक महत्व

तेजस मार्क-1ए का induction भारतीय वायुसेना की रणनीतिक जरूरतों को पूरा करने में बेहद अहम होगा। वर्तमान में वायुसेना के पास लड़ाकू विमानों की संख्या जरूरत से कम है। पुराने मिग-21 और अन्य जेट्स को रिटायर करना है, जिसकी जगह पर तेजस एक बेहतरीन विकल्प साबित हो सकता है। इसके अलावा, भारत को पड़ोसी देशों चीन और पाकिस्तान से लगातार चुनौती मिल रही है। ऐसे में स्वदेशी लड़ाकू विमान भारत को आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन के साथ-साथ सामरिक बढ़त भी दिलाएंगे।

आत्मनिर्भर भारत और रक्षा उद्योग

तेजस प्रोजेक्ट भारत के रक्षा उद्योग के लिए एक मील का पत्थर है। दशकों से भारत विदेशी विमानों और तकनीक पर निर्भर रहा है, लेकिन अब HAL जैसी कंपनियां धीरे-धीरे इस निर्भरता को कम कर रही हैं। तेजस का 65% हिस्सा देश में बना है और आने वाले वर्षों में इसे 75-80% तक ले जाने की योजना है। तेजस का सफल उत्पादन और वायुसेना में शामिल होना न केवल भारत की सुरक्षा को मजबूत करेगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत को लड़ाकू विमान एक्सपोर्ट करने की क्षमता देगा।

फिलीपींस में 6.9 तीव्रता का भूकंप:

69 मौतें, 150 से ज्यादा घायल

मनीला (एजेंसी)। फिलीपींस के सेबू प्रांत में मंगलवार रात एक जोरदार भूकंप आया, जिसकी तीव्रता 6.9 मापी गई। इस भूकंप के कारण अब तक 69 लोगों की मौत हो चुकी है और लगभग 150 लोग घायल हुए हैं। न्यूज़ एजेंसी AP ने बताया कि मृतकों की संख्या बढ़ने की संभावना है क्योंकि कई लोग अब भी मलबे में दबे हुए हैं। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे (USGS) ने शुरुआती तौर पर भूकंप की तीव्रता 7.0 बताई थी, लेकिन बाद में इसे 6.9 कर दिया गया। भूकंप का केंद्र सेबू आइलैंड के बोगो शहर के पास था, जहां करीब 90 हजार लोग रहते हैं। भूकंप के मुख्य झटके के बाद इलाके में चार और झटके महसूस किए गए, जिनकी तीव्रता 5 या उससे अधिक थी। भूकंप आते ही लोग अपने घरों और इमारतों से बाहर निकल आए। कई मकान और चर्च धराशायी हो गए हैं, जिससे लोगों की मदद के लिए बचाव कार्य में रुकावटें आ रही हैं। रेस्क्यू टीमें मंगलवार रात से ही प्रभावित क्षेत्रों में सक्रिय हैं और मलबे से लोगों को निकालने का प्रयास कर रही हैं। स्थानीय प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है। भूकंप के बाद कई इलाकों में बिजली और पानी की आपूर्ति बाधित हो गई है।

अमेरिका में फंडिंग बिल न पास होने से 9 लाख सरकारी कर्मचारियों की सैलरी पर संकट, शटडाउन लागू

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिका में सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ी वित्तीय चिंता पैदा हो गई है, क्योंकि देश में फेडरल शटडाउन आज से लागू हो गया है। इसका कारण यह है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प सीनेट से फंडिंग बिल पास कराने में असफल रहे। इससे लगभग 9 लाख सरकारी कर्मचारी बिना सैलरी के छुट्टी पर भेजे जाने की स्थिति में हैं। शटडाउन के चलते कई गैर-जरूरी सरकारी कामकाज ठप हो गए हैं, जिनमें प्रशासनिक कार्यालयों की सेवाएँ और कुछ सार्वजनिक सुविधाएँ शामिल हैं। बिल को पास कराने के लिए मंगलवार देर रात सीनेट में वोटिंग हुई। इसके समर्थन में 55 और विरोध में 45 वोट पड़े। हालांकि, बिल को पास करने के लिए कम से कम 60 वोटों की आवश्यकता थी। ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी के पास केवल 53 सीनेट सीटें हैं, इसलिए बिल को पास कराने के लिए विपक्षी डेमोक्रेट्स का समर्थन अनिवार्य था। लेकिन डेमोक्रेट्स ने बिल के खिलाफ वोट किया, जिससे बिल पास नहीं हो सका। सीनेट में कुल 100 सदस्य हैं। रिपब्लिकन 53 सदस्य, डेमोक्रेट्स 47 और दो निर्दलीय सांसद हैं। दोनों निर्दलीय सांसदों ने बिल का समर्थन किया, लेकिन फिर भी बिल पास नहीं हो सका। इस असफलता के कारण सरकार के कई विभागों में कामकाज रुक गया है और लाखों कर्मचारियों को वित्तीय अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि शटडाउन लंबे समय तक चलता है तो इससे आर्थिक नुकसान बढ़ सकता है।

19 किलो वाला गैस सिलेंडर ₹16.50 तक महंगा: जनरल रिजर्वेशन के लिए आधार जरूरी

मुंबई । 1 अक्टूबर से देशभर में कई नियम और सेवाओं में बड़े बदलाव लागू हो गए हैं। ये बदलाव आम आदमी की जेब से लेकर उसकी रोज़मर्रा की जरूरतों तक पर असर डालेंगे। आइए जानते हैं विस्तार से—

जनरल रिजर्वेशन टिकट के लिए आधार वेरिफिकेशन जरूरी

रेलवे ने ऑनलाइन टिकट बुकिंग के नियम सख्त कर दिए हैं। अब जनरल रिजर्वेशन टिकट की ऑनलाइन बुकिंग सिर्फ आधार वेरिफिकेशन के बाद ही संभव होगी। इसका मकसद फर्जी आईडी से हो रही बुकिंग को रोकना और असली यात्रियों को सुविधा देना है। यह बदलाव उन लोगों के लिए अहम है जो मोबाइल ऐप या वेबसाइट से जनरल टिकट बुक करते हैं। अब उन्हें अपने आधार से लिंक मोबाइल नंबर के जरिए ही टिकट की पुष्टि करानी होगी।

UPI से पैसे मांगने की रिक्वेस्ट बंद

अब आप UPI ऐप्स जैसे PhonePe, Google Pay या Paytm पर "Money Request" भेजकर पैसे नहीं मांग पाएंगे। रिज़र्व बैंक और NPCI ने यह फीचर बंद करने का फैसला लिया है। हालांकि, UPI से पैसे भेजने और QR कोड स्कैन करके भुगतान करने की सुविधा पहले की तरह जारी रहेगी। इस बदलाव का मकसद धोखाधड़ी रोकना है, क्योंकि कई बार फ्रॉड रिक्वेस्ट भेजकर लोगों से पैसे ऐंठने की घटनाएं सामने आती थीं।

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 16.50 रुपए महंगा

पेट्रोलियम कंपनियों ने 19 किलो वाले कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में बढ़ोतरी की है। दिल्ली में इसकी कीमत ₹16.50 बढ़कर अब ₹1595.50 हो गई है। होटल, रेस्टोरेंट और कारोबारी वर्ग को इसका सीधा असर झेलना पड़ेगा, क्योंकि ये सिलेंडर अधिकतर व्यावसायिक कामों में इस्तेमाल होता है। हालांकि घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

स्पीड पोस्ट सर्विस महंगी

डाक विभाग ने स्पीड पोस्ट के रेट्स में भी इजाफा किया है। अब अलग-अलग दूरी और वजन के हिसाब से आपको पहले से ज्यादा पैसे चुकाने होंगे। इस बदलाव से उन लोगों को असर पड़ेगा जो नियमित रूप से दस्तावेज़, पार्सल या जरूरी सामान स्पीड पोस्ट से भेजते हैं। सरकार का कहना है कि ईंधन और लॉजिस्टिक्स खर्च बढ़ने के चलते यह कदम उठाना पड़ा है।

NPS (नेशनल पेंशन सिस्टम) में निवेश नियम बदले

अब NPS (National Pension Scheme) के तहत निवेशक अपनी पूरी राशि इक्विटी यानी शेयर बाजार में लगा सकते हैं। पहले यह लिमिट 75% तक थी, लेकिन अब 100% तक का विकल्प खुल गया है। हालांकि, यह फैसला निवेशक की इच्छा पर निर्भर करेगा।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,